हिन्दी दैनिक

हैदराबाद और चेन्नई से प्रकाशित

आकाश ज्योति

08

वर्ष-23 अंक: 300 हैदराबाद, शुक्रवार, 09 जनवरी 2026, कुल मुद्रित पृष्ठ : 08, मूल्य: 5/- Circulated in Telangana State, Andhra Pradesh and Tamil Nadu

संक्षिप्त समाचार

फडणवीस ने कहा, वीर सावरकर के किसी भी विरोध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर की विरासत के किसी भी विरोध को बर्दाश्त नहीं करेगी और उन्होंने उन बातों को खारिज कर दिया कि उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष अजीत पवार सावरकर की विचारधारा का विरोध करते हैं। हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर की विरासत से जुड़े विवाद पर बोलते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने जोर देकर कहा कि हालांकि उन्हें नहीं लगता कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सावरकर की विचारधारा का विरोध करते हैं, लेकिन भाजपा इस मुद्दे पर अडिग है। आगामी नगर निगम चुनावों के लिए चल रही चुनावी रैलियों की गहमागहमी के बीच, मुख्यमंत्री फडणवीस ने सहयोगी दलों के बीच बढ़ते मतभेदों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अजीत पवार के पास वीर सावरकर के विचारों का विरोध करने का कोई कारण है। मैंने उन्हें अतीत में कभी भी उनका विरोध करते नहीं देखा है। ' हालांकि, उन्होंने गठबंधन के लिए एक स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा, 'हमारा रुख दृढ़ है। हम वीर सावरकर के किसी भी विरोध को बर्दाश्त नहीं करेंगे। '

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने पुस्तक में शिवाजी से संबंधित सामग्री के लिए माफी मांगी

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) इंडिया ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वें वंशज उदयराजे भोसले से दो दशक से अधिक समय पहले प्रकाशित एक पुस्तक में महान मराठा राजा के बारे में किए गए कुछ 'अपुष्ट बयानों' के लिए माफी मांगी है। एक समाचार पत्र में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना में, ओयूपी इंडिया ने स्वीकार किया कि 2003 में प्रकाशित पुस्तक 'शिवाजी: इस्लामिक भारत में हिंदू राजा' के पृष्ठ 31, 33, 34 और 93 पर दिए गए कुछ कथन अप्रमाणित थे। अमेरिकी लेखक जेम्स लेन द्वारा लिखित इस पुस्तक ने विवाद को जन्म दिया था, जब जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं ने पुणे के लॉ कॉलेज रोड स्थित प्रसिद्ध भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट (बोरी) में तोड़फोड़ की थी। उनका आरोप था कि इस संस्थान ने लेखक की मदद की थी, जिसने कथित तौर पर पुस्तक में शिवाजी महाराज के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

अमर्त्य सेन वर्तनी की गलती को लेकर स्क्रू विवाद में फंसे, टीएमसी ने चुनाव आयोग की आलोचना की

नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को जनगणना प्रपत्र में वर्तनी की त्रुटि के लिए चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया गया है, वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने चुनाव निकाय पर पश्चिम बंगाल के प्रमुख नागरिकों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया है । हालांकि, चुनाव आयोग के सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि सेन को सुनवाई के लिए उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि यह केवल वर्तनी की गलती से संबंधित है। सेन ने रवींद्रनाथ टैगोर के गृह नगर शांतिनिकेतन में अपना वोट डाला, जहां उन्होंने आखिरी बार 2014 में मतदान किया था और उनके पास एक सक्रिय मतदाता पहचान पत्र है।बनर्जी ने सेन के गृह जिले बीरभूम में एक रैली में कहा कि एसआईआर अभ्यास 'भाजपा-ईसीआई गठजोड़' को दर्शाता है जिसका उद्देश्य बंगाल के सबसे सफल निवासियों को परेशान करना है।

मॉस्को ने रूसी झंडे वाले टैंकर को जब्त किए जाने के बाद समुद्री कानून के उल्लंघन का दावा किया

वॉशिंगटन: अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने दो 'घोस्ट फ्लीट' टैंकर जहाज़ों पर 'बेहद समन्वित' अभियान के तहत चढ़ाई की, यह बात होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने कही। नोएम के अनुसार, एक जहाज़ उत्तरी अटलांटिक महासागर में था, जबकि दूसरा कैरिबियन के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में था। उन्होंने बताया कि ये दोनों अभियान कुछ ही घंटों के अंतराल में किए गए। नोएम ने कहा कि टैंकर-मैरिनेरा और सोफिया-या तो आख़िरी बार वेनेज़ुएला में लंगर डाले हुए थे या वहीं जा रहे थे। उनके मुताबिक, मैरिनेरा 'कई हफ्तों से कोस्ट गार्ड से बचने की कोशिश कर रहा था।' उनकी पोस्ट में एक छोटा वीडियो भी शामिल है, जिसमें थर्मल इमेजरी के ज़रिये लोगों को हेलीकॉप्टर से उतरकर सोफिया पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। इसके बाद लगभग 10 लोग जहाज़ के ऊपरी डेक पर नज़र आते हैं। अब हमें अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की प्रतिक्रिया मिली है। एक्स (ङ्क) पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा: 'प्रतिबंधित और अवैध वेनेज़ुएला तेल की नाकाबंदी पूरी तरह लागू है-दुनिया में कहीं भी।' बाद में उन्होंने कैरिबियन सागर में दूसरे टैंकर को जब्त करने का एक वीडियो साझा करते हुए इसी तरह का संदेश दिया। अमेरिकी साउदर्न कमांड के अनुसार, अमेरिका ने कैरिबियन सागर में एक दूसरा तेल टैंकर जब्त किया है। सेना ने बताया कि यह जहाज़ एक 'बिना राष्ट्रीयता वाला, प्रतिबंधित डार्क फ्लीट मोटर टैंकर' था, जिसे तड़के अभियान में पकड़ा गया। एक बयान में कहा गया, 'रोके गए जहाज़ एम/टी सोफिया अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम कर रहा था और कैरिबियन सागर में अवैध गतिविधियों में शामिल था।' अमेरिकी कोस्ट गार्ड एम/टी सोफिया को अंतिम निपटान के लिए अमेरिका ले जा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि डाउनिंग स्ट्रीट वेनेज़ुएला से जुड़े मैरिनेरा तेल टैंकर से संबंधित अमेरिकी अभियान पर टिप्पणी नहीं करेगा। नियमित बुधवार की ब्रीफिंग में पत्रकारों से उन्होंने कहा, 'हम अन्य देशों की परिचालन गतिविधियों पर टिप्पणी नहीं करते, जिसमें यूके के ठिकानों का तीसरे पक्ष द्वारा उपयोग भी शामिल है।' उन्होंने जोड़ा कि यह यूके सरकारों की 'लंबे समय से चली आ रही नीति' है। यह घटनाक्रम दिखाता है कि डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा सैन्य कार्रवाई की इच्छा अब भी कम नहीं हुई है। वेनेज़ुएला के खिलाफ उनकी सैन्य आक्रामकता से यह पहले ही स्पष्ट हो चुका था, और अब वे जिन टैंकरों पर उन्होंने प्रतिबंध लगाए हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई कर उस संदेश को और मज़बूत करना चाहते हैं। कई सवाल हैं जिनके जवाब हमें अब तक नहीं पता, जैसे कि जहाज़ में क्या ले जाया जा रहा था। यह अभियान यह भी दर्शाता है कि अमेरिका भले ही अकेले काम करना चाहता हो, लेकिन उसे सहयोगियों की ज़रूरत होती है। ऐसे अभियान वह इसलिए कर पाता है क्योंकि अमेरिका के बाहर उसके बड़े सैन्य एयरबेस हैं, जिनसे वह इस तरह की कार्रवाइयाँ अंजाम देता है। अब हमें अमेरिकी यूरोपीय कमांड की ओर से भी जानकारी मिली है, जिसमें कहा गया है कि यह जब्ती अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस 'घोषणा' के समर्थन में है, जो पश्चिमी गोलार्ध की सुरक्षा और स्थिरता को खतरा पहुँचाने वाले प्रतिबंधित जहाज़ों को निशाना बनाती है। उन्होंने एक्स पर लिखा: 'यह अभियान डीएचएस के घटकों द्वारा @DeptofWar के समर्थन से किया गया, जो मातृभूमि की रक्षा के लिए पूरे-सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कुत्ते प्रेमियों से SC का सवाल: आपको कैसे पता चलता है कि कौन-सा कुत्ता काटने के मूड में है?

नई दिल्ली: सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के मामले की सुनवाई के दौरान, ने बुधवार, 7 जनवरी को याचिकाकर्ताओं से सवाल किया- 'आपको कैसे पता चलता है कि कौन-सा कुत्ता काटने के मूड में है?' जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने कुत्ता प्रेमियों द्वारा दायर याचिकाओं और सख़्त अनुपालन की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोग केवल आवारा कुत्तों के काटने से ही नहीं, बल्कि सड़कों पर आवारा जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से भी जान गंवा रहे हैं। जस्टिस नाथ ने कहा, 'मुद्दा सिर्फ काटने का नहीं है। कुत्तों से होने वाले ख़तरे का भी है। दुर्घटनाओं का। आप पहचान कैसे करेंगे? सुबह कौन-सा कुत्ता किस मूड में है, यह आपको नहीं पता।' पीठ ने कहा, 'सड़कों को कुत्तों और आवारा जानवरों से मुक्त होना चाहिए। नागरिक निकायों को नियमों, मॉड्यूल और निर्देशों को सख़्ती से लागू करना होगा। ' जस्टिस मेहता ने बताया कि पिछले 20 दिनों में राजस्थान हाईकोर्ट के दो जज दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं और उनमें से एक अभी भी रीढ़ की हड्डी की चोट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक गंभीर मुद्दा है। ' याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि इस समस्या पर प्रतिक्रिया एक परिपक्व और ज़िम्मेदार समाज को दर्शानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, यह कोई प्रतिद्वंद्वी मामला नहीं है और हम यहाँ कुत्ता प्रेमी के तौर पर हैं। अगर एक बाघ आदमख़ोर हो जाए, तो हम सभी बाघों को नहीं मार देते। हमें नसबंदी सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि आबादी कम हो। इसके लिए एक प्रक्रिया है। ' सिब्बल ने सुझाव दिया कि आवारा कुत्तों की आबादी के प्रबंधन और नियंत्रण के लिए 'पकड़ो-नसबंदी-टीकाकरण-छोड़ो' (ष्टस्ङ्क्र) मॉडल अपनाया जा सकता है, जिससे समय के साथ कुत्तों के काटने की घटनाएँ कम होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर रेबीज़ वाले और बिना रेबीज़ वाले कुत्तों को एक ही आश्रय में रखा गया, तो सभी को रेबीज़ हो जाएगा। इस पर तंज कसते हुए जस्टिस मेहता ने कहा, 'अब बस यही बचा है कि कुत्तों को किसी को न काटने की काउंसलिंग भी दे दी जाए।' जस्टिस नाथ ने टिप्पणी की, 'रोकथाम इलाज से बेहतर है,' और कहा कि इस मामले में ज़्यादा बहस की गुंजाइश नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने केवल संस्थागत क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया है और किसी नियम या विनियम में हस्तक्षेप नहीं किया है। पीठ ने कहा कि वह राज्यों और नागरिक निकायों द्वारा नियमों, विनियमों, मॉड्यूल और मानक संचालन प्रक्रियाओं के सख़्त पालन पर ज़ोर दे रही है। 'कुछ राज्यों ने हमारे आदेशों के अनुपालन और दलीलों के क्रियान्वयन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे राज्यों के साथ हम काफ़ी सख़्त होंगे। सभी नियमों, विनियमों और का पालन अनिवार्य है,' शीर्ष अदालत ने कहा।

आंध्र प्रदेश में ब्लोआउट स्थल पर मलबा साफ़ कर रही ONGC की टीमें

मोरी: 5 जनवरी से जल रहे एक बड़े गैस कुएँ के ब्लोआउट को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली और मुंबई से आई की विशेष टीमें डॉ. बी. आर. अंबेडकर कोनसीमा ज़िले में मौके पर मौजूद हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि टीमें कुएँ के आसपास का मलबा हटा रही हैं, ताकि कुएँ का स्पष्ट दृश्य (क्लियर लाइन ऑफ साइट) मिल सके। अधिकारियों के अनुसार, 5 जनवरी को मोरी और इरुसुमांडा गांवों के पास हहत्नष्ट के स्वामित्व वाले एक कुएँ में गैस रिसाव के बाद भीषण आग भड़क उठी थी। आग की लपटें लगभग 20 मीटर ऊँचाई और 25 मीटर चौड़ाई तक पहुँच गई थीं। मोरी-5 कुएँ में लगी इस आग के चलते सैकड़ों लोगों को अपने घर खाली करने पड़े। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि अब आग की तीव्रता कम हो गई है। ब्लोआउट का अर्थ तेल या गैस कुएँ से कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस का अनियंत्रित रूप से बाहर निकलना होता है, जो दबाव नियंत्रण प्रणालियों के विफल होने पर होता है। कोनसीमा ज़िले की संयुक्त कलेक्टर टी. निसांथि ने कहा कि महरत्न सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी तब आगे की कार्ययोजना तय करेगी, जब उसके अग्निशमन दल को गैस कुएँ का स्पष्ट दृश्य मिल जाएगा और यह निर्णय ले लिया जाएगा कि कुएँ को कैप किया जाए या 'वाइल्ड वेल कंट्रोल' की विशेषज्ञता बुलाई जाए। 'उनकी टीमें मुंबई और दिल्ली से आई हैं। जैसे ही मलबा हटेगा और कुएँ का स्पष्ट दृश्य मिलेगा, वे कार्ययोजना बनाएंगे-कि कुएँ को कैप करना है या नहीं, और वाइल्ड वेल कंट्रोल को बुलाना है या नहीं,' निसांथि ने पीटीआई से कहा। वाइल्ड वेल कंट्रोल अमेरिका स्थित एक कंपनी है, जो तेल और गैस उद्योग को वेल कंट्रोल, आपातकालीन प्रतिक्रिया, दबाव नियंत्रण, राहत कुएँ की योजना और अन्य सेवाएँ प्रदान करती है। यह सभी प्रकार की वेल कंट्रोल घटनाओं को सुरक्षित रूप से रोकने और सुलझाने में विशेषज्ञ है। इस बीच, संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि मोरी और इरुसुमांडा गांवों से निकाले गए 450 से अधिक लोग अब राहत केंद्रों में रहने या अपने घर लौटने का विकल्प चुन सकते हैं।

भाजपा ने दिल्ली विधानसभा में कथित टिप्पणियों को लेकर आतिशी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भाजपा विधायक प्रवेश साहिब सिंह, कपिल मिश्रा, आशीष सूद, पंकज सिंह और मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र सौंपकर आतिशी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। यह विवाद 6 जनवरी को सदन में गुरु तेग बहादुर की शहादत पर विशेष चर्चा के दौरान उठा । भाजपा विधायकों के अनुसार, चर्चा के दौरान आतिशी अपनी सीट से खड़ी हुईं और उन्होंने गुरु के सम्मान के प्रति अत्यंत अपमानजनक और शर्मनाक टिप्पणी की। विधायकों ने अपने पत्र में दावा किया कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से किसी भी विधानमंडल में किसी पूजनीय गुरु के विरुद्ध इस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं देखा गया है। उन्होंने कथित बयान की एक टाइप की हुई प्रति भी संलग्न की है। पत्र में भाजपा विधायकों ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने आतिशी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने, विधानसभा की उनकी सदस्यता तत्काल रद्द करने और सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए अध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग करने की मांग की, जिसमें कारावास की सजा भी शामिल है। विधायकों ने जोर देकर कहा कि गुरु तेग बहादुर का अपमान करने वाला कोई भी व्यक्ति विधानसभा में रहने के योग्य नहीं है, बल्कि उसे जेल में होना चाहिए।

इस घटना के कारण सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न हुआ, जिसके चलते कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा। भाजपा ने कहा कि आतिशी को दिल्ली की जनता, सिख समुदाय और विधानसभा से माफी मांगनी चाहिए और संकेत दिया कि पार्टी निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। इस बीच, आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि भाजपा इस विवाद को उठाकर प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

यूपी एसआईआर: एक दिन में 128 नाम जोड़ने के दावे, सबसे अधिक भारतीय जनता पार्टी से

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए राजनीतिक दलों की ओर से कुल 128 दावे प्रस्तुत किए गए, जबकि बुधवार शाम 7 जनवरी तक नाम हटाने के लिए एक भी आपत्ति दर्ज नहीं की गई। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, इनमें सबसे अधिक दावे (भारतीय जनता पार्टी) की ओर से आए। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 6 जनवरी को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया था। जिन नागरिकों को लगा कि उनका नाम सूची में शामिल नहीं है, उनके लिए दावा और आपत्ति दर्ज कराने की सुविधा दी गई है, जो 6 फरवरी तक जारी रहेगी। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा के कार्यालय द्वारा जारी की गई, जिसमें 6 जनवरी से 7 जनवरी शाम 5 बजे तक प्राप्त विवरण शामिल हैं। प्रारूप सूची में पिछली मतदाता सूची के 12 करोड़ 44 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम बनाए रखे गए हैं, जबकि लगभग 2 करोड़ 89 लाख नाम हटाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा सत्यापन प्रपत्र एकत्र न कर पाने के कारण-जैसे मृत्यु, स्थान परिवर्तन या किसी अन्य स्थान पर नाम दर्ज होना-ये नाम हटाए गए। सूचना पत्र के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त कुल 5 लाख 76 हजार 611 बूथ स्तर के प्रतिनिधि शामिल रहे। नाम जोड़ने के दावे भारतीय जनता पार्टी (105), (17) (6) की ओर से दाख़िल किए गए। इस अवधि में किसी भी दल ने नाम हटाने के लिए कोई आपत्ति नहीं दी। राष्ट्रीय दलों में बूथ स्तर के प्रतिनिधियों की संख्या के मामले में भारतीय जनता पार्टी 1 लाख 60 हजार 605 के साथ सबसे आगे रही। इसके बाद बहुजन समाज पार्टी के 1 लाख 53 हजार 469 और के 94 हजार 591 प्रतिनिधि रहे। समाजवादी पार्टी के कुल 1 लाख 56 हजार 972 प्रतिनिधि दर्ज किए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने बताया कि प्रारूप सूची के प्रकाशन से पहले नाम जोड़ने के लिए 16 लाख 18 हजार 574 आवेदन प्राप्त हुए थे, जबकि नाम हटाने के लिए 49 हजार 399 आवेदन आए थे। अधिकारियों के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण पूरा होने के बाद अंतिम मतदाता सूची 6 मार्च को प्रकाशित की जाएगी। मंगलवार को रिनवा ने कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम प्रारूप सूची में नहीं है, तो उसे नाम जोड़ने के लिए संबंधित आवेदन देना अनिवार्य है। विदेश में रहने वाले मतदाताओं के लिए अलग आवेदन है, नाम हटाने या आपत्ति के लिए अलग, और विवरण में सुधार या मतदाता पहचान पत्र के प्रतिस्थापन के लिए अलग आवेदन निर्धारित है। ये आवेदन बूथ स्तर के अधिकारियों के माध्यम से, तहसील कार्यालयों में स्थित मतदाता पंजीकरण केंद्रों पर, या निर्वाचन आयोग की आधिकारिक ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट आज सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा

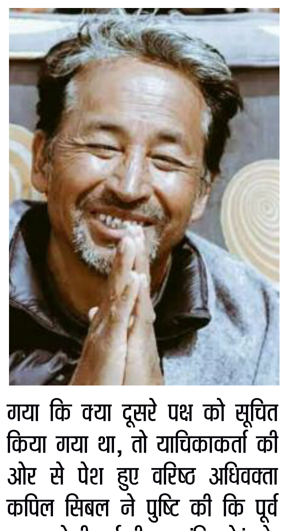

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को जेल में बंद लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती दी गई है। बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी थी। अंगमो की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में वांगचुक की कैद को 'अवैध' और 'मनमाना कृत्य बताया गया है जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है '। यह मामला न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की समिति के समक्ष लाया गया था। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने कार्यवाही के दौरान वीडियो चलाने के याचिकाकर्ता के अनुरोध पर ध्यान दिया। जब पूछा गया कि क्या दूसरे पक्ष को सूचित किया गया था, तो याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने पुष्टि की कि पूर्व सूचना दे दी गई थी। हालांकि, केंद्र के दूसरे सबसे बड़े विधि अधिकारी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वे शायद उपस्थित नहीं होंगे क्योंकि वे एक अन्य मामले की सुनवाई में व्यस्त होंगे, जिसकी सुनवाई अभी पूरी नहीं हुई है। पीठ ने इस व्यवस्था को स्वीकार कर लिया और मामले की सुनवाई गुरुवार को तय की। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने अंगमो को अपनी याचिका में संशोधन करने की अनुमति दी थी और केंद्र, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और जेल अधिकारियों को अपने आगे के जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। 'याचिकाकर्ता को याचिका में संशोधन करने और एक सप्ताह के भीतर संशोधित प्रति दाखिल करने की अनुमति है। संशोधित प्रतिउत्तर उसके बाद 10 दिनों के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए। यदि कोई प्रत्युत्तर हो, तो वह भी उसके एक सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई 24 नवंबर को सूचीबद्ध की जाएगी,' सर्वोच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा।

हरियाणा में निगम चुनाव के लिए कांग्रेस ने बनाई चुनाव समिति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में होने वाली नगर निगम चुनाव के लिए विपक्षी दल कांग्रेस ने बिगुल बजा दिया है। प्रदेश के अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत में किसी भी नगर निगम चुनावों का ऐलान हो सकता है। यह चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है कि मेयर का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाता है और औसतन सभी निगमों में एक से अधिक विधानसभा क्षेत्र आते हैं। हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कांग्रेस नगर निगम चुनाव पूरी दमखम के साथ लड़ेगी और जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी ने चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से एक विशेष चुनाव समिति का गठन किया है।राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह समिति चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय, प्रचार-प्रसार एवं चुनाव संबंधी औपचारिकताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस जनता के मुद्दों, विकास के एजेंडे और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के बल पर नगर निगम चुनावों में जीत का परचम लहराएगी।

गुरुग्राम नगर निगम का 54 लाख टैक्स बकाया होने पर प्रॉपर्टी सील

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों के विरुद्ध चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत दो और डिफॉल्टर प्रॉपर्टीज पर कार्रवाई की गई। निगम की टैक्सेशन टीम ने बसई एनक्लेव और कादीपुर क्षेत्र में स्थित दो प्रॉपर्टीज को सील किया है, जिन पर कुल 54 लाख 37 हखार 266 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। नगर निगम के टैक्स ब्रांच अधिकारियों के अनुसार, बसई एन्क्लेव स्थित एक प्रॉपर्टी पर 23 लाख 84 हजार 636 रुपये तथा कादीपुर क्षेत्र की एक अन्य प्रॉपर्टी पर 30 लाख 52 हजार 630 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स लंबे समय से बकाया है। इन दोनों प्रॉपर्टी मालिकों को पूर्व में कई बार नोटिस जारी कर बकाया टैक्स का भुगतान करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समयावधि में टैक्स जमा नहीं कराया गया। इसके चलते नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई अमल में लाई गई।

मिड-डे मील में गुणवत्ता सुधार को होगी प्रदेश स्तरीय बैठक

चंडीगढ़। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सेहत को मजबूत करने और मिड-डे-मील थाली को पौष्टिकता युक्त बनाने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से मिड-डे-मील योजना को लेकर 12 जनवरी को राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त निदेशक प्रशासन (मिड-डे मील) की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक में मिड-डे-मील के वितरण, खाना बनाने, ग्रांट के साथ मेन्यू पर भी चर्चा होगी। निदेशालय की ओर से स्पष्ट हिदायत दी गई है कि सभी जिला अधिकारी तय समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंस में अनिवार्य रूप से भाग लें और मिड-डे मील योजना से जुड़े एजेंडा बिंदुओं पर पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हों। बैठक के दौरान योजना के क्रियान्वयन, गुणवत्ता, निगरानी व्यवस्था और जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

गुरुग्राम खेल महोत्सव में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी का फिरोजपुर झिरका में हुआ स्वागत

नूंह। गुरुग्राम में सांसद खेल महोत्सव में बॉक्सिंग प्रतियोगिता के दौरान कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले सागर खेरालिया के सम्मान में फिरोजपुर झिरका में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह खेल महोत्सव 27 से 29 दिसंबर तक गुरुग्राम में आयोजित किया गया था, जिसमें विभिन्न खेलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। कांस्य पदक जीतने के बाद जब सागर खेरालिया फिरोजपुर झिरका लौटे तो वाल्मीकि मंदिर विकास समिति फिरोजपुर झिरका के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। समिति की ओर से उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की गई। उपस्थित लोगों ने कहा कि सागर की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति नई प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर समिति द्वारा उन अन्य युवाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने गुरुग्राम लोकसभा खेल महोत्सव में हिस्सा लिया और कांस्य पदक जीता था। इनमें रिजवान खान और आकिब खान और भविष्य कुमार को भी सम्मान से नवाजा गया। वक्ताओं ने कहा कि खेल महोत्सव जैसे आयोजन युवाओं की प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं और इससे खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। समारोह में सागर खेरालिया के कोच मनोज कुमार को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि एक खिलाड़ी की सफलता में कोच का मार्गदर्शन और परिश्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोच मनोज कुमार ने युवाओं से निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह के अंत में सभी ने सागर खेरालिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और क्षेत्र में खेलों को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर पार्षद रणजीत सिंह, रोशन लाल प्रधान, हेमन्त खेरालिया, बसंत कुमार, खेम चन्द, जीतू, राकेश प्रधान, प्रीतम सिंह, अरुण कुमार, विनय कुमार सहित सम्मानित सदस्य मौजूद रहे।

औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में होगा विशेष फोकस : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उद्योग एवं विनिर्माण क्षेत्र का प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से राज्य के आगामी बजट में औद्योगिक क्षेत्र पर पूरा ध्यान दिया जाएगा।

प्रदेश सरकार ने आगामी बजट के लिए यह लक्ष्य रखा है कि बजट अधिक से अधिक रोजगार परक और उद्योगों के अनुकूल हो ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले व 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में हरियाणा का योगदान अग्रणी हो। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में बजट पूर्व परामर्श बैठक में उद्यमियों से सीधा संवाद कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बजट पूर्व परामर्श बैठक का लक्ष्य संबंधित हितधारकों के बहुमूल्य सुझाव लेकर प्रदेश में अधिक से अधिक उद्योगों के अनुकूल माहौल बनाना है। बीते वर्ष भी उद्योगों के साथ इस तरह बजट पूर्व परामर्श बैठक की गई थी, जिसमें

बेहतरीन सुझाव आए थे, जिससे नीतियों को अधिक मजबूती मिली। बैठक में सुझाव प्राप्त हुए थे, जिसमें से 71 सुझावों को बजट में शामिल किया गया। उद्योग एवं श्रम विभाग के लिए वर्ष 2025 - 26 बजट में लगभग 1 हजार 951 करोड़ 43 लाख रुपये का प्रावधान किया गया, इसमें से 873 करोड़ 51 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बजट से जुड़े अच्छे सुझाव आमंत्रित हैं, कोई भी साथी एआई चैटबोट के माध्यम से अपने सुझाव दे सकता है।

मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार बजट में की गई घोषणाओं को लगातार धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। पिछले बजट में उद्योग एवं श्रम विभाग के बजट को 129.37 प्रतिशत तक बढ़ाया गया था ताकि इसे और अधिक सशक्त बनाया जाए। हरियाणा सरकार ने श्रमिकों के लिए डॉरमेट्री और सिंगल रूम के निर्माण हेतु आईएमटी बावल में 5 एकड़, आईएमटी फरीदाबाद में 2.76 एकड़ तथा आईएमटी सोहना में 5.47 एकड़ भूमि अधिकृत की है। आईएमटी खरखौदा के विस्तार के लिए 3 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से लगभग 5800 एकड़ भूमि की पहचान की जा चुकी है। इसे शीघ्र ही औद्योगिक नीति-2022 के अंतर्गत अधिकृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस बजट पूर्व परामर्श बैठक में अनेक सुझाव आए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हरियाणा के औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में विशेष फोकस होगा।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में इसी माह होंगी प्री-बोर्ड परीक्षाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में प्री बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा विभाग शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अध्यापकों और विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन करेगा। वास्तविक बोर्ड परीक्षाओं की तर्ज पर प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी। प्री-बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक बोर्ड परीक्षा का अभ्यास कराना है। शिक्षा विभाग ने बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्री-बोर्ड परीक्षाएं कराने का फैसला लिया है। शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूलों में 10वीं और 12वीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों में स्पष्ट हिदायत दी गई है कि अब प्री-बोर्ड परीक्षाओं में भी बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर अलग उत्तर-पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि विद्यार्थी साल भर की तैयारी का आकलन आसानी से कर सकें। निदेशालय की ओर से से निर्देश दिए गए हैं कि प्री-बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के पृष्ठों की संख्या अधिक होने के

कारण छात्रों को उत्तर लिखने में असुविधा होती है। लिहाजा, अब प्रश्न-पत्र के साथ अलग उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी, जो कि वास्तविक बोर्ड परीक्षाओं के पैटर्न पर होगा। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि सभी जिलों में यह व्यवस्था बोर्ड पैटर्न के अनुसार अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी।

सोनीपत में पुलिस कर्मियों ने साथी की बीमार बेटी के इलाज को दिए दस लाख

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस कर्मियों ने मानवीय संवेदना और आपसी सहयोग का परिचय देते हुए अपने सहकर्मी सिपाही संजय रमन की गंभीर रूप से बीमार सात माह की बेटी के उपचार के लिए दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। यह सहायता राशि पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक योगदान से एकत्र की गई। पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने सिपाही संजय रमन को उपचार सहायता का चेक सौंपा। इस अवसर पर जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सोनीपत पुलिस केवल एक विभाग नहीं, बल्कि एक परिवार है। जब परिवार का कोई सदस्य संकट में होता है, तो सभी का दायित्व बनता है कि वे एकजुट होकर सहयोग करें। उन्होंने पुलिस कर्मियों द्वारा

दिखाई गई संवेदनशीलता, एकता और सहयोग भावना की सराहना की। सोनीपत पुलिस ने सिपाही संजय रमन की बेटी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि भविष्य में भी उपचार से संबंधित हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

जी-राम जी योजना से श्रमिक व किसान दोनों को होगा लाभः शिक्षा मंत्री ढांडा

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा है कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत श्रमिकों को अब पहले के मुकाबले अधिक रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही श्रमिकों को उनके काम की राशि भी एक सप्ताह के अंदर उनके खातों में जाएगी। शिक्षा मंत्री ढांडा सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन योजना संसद में पारित हुआ। इसलिए यह पूरी तरह से संवैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप बनी योजना है। सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों व विचारों को अपना कर आगे बढ़ रही है और यह योजना भी महात्मा गांधी के स्वराज की परिकल्पना का साकार करने का

काम करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में श्रमिक और किसान दोनों के हितों को देखा गया है, श्रमिक को अधिक रोजगार के अवसर दिए गए हैं वहीं किसान की फसल को भी ध्यान में रखा गया है कि उसे भी समय पर मजदूर मिल पाए। उन्होंने कहा कि पहले इस योजना में काम का न कोई निर्धारण था और न ही कोई प्लानिंग थी। अब इसमें काम को चिन्हित किया गया है। काम निर्धारण के बाद उसका बजट उपलब्ध करवाया जाएगा, वहीं श्रमिक को एक सप्ताह के अंदर अंदर सीधे उसके खाते में काम की राशि डालने का प्रावधान किया गया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस योजना में सरकार ने जो बदलाव किया है कि वो बाकायदा संविधान के नियमों के अनुसार संसद के अंदर पारित हुआ है। सरकार सभी कार्य संविधान के अनुरूप करती है। आज दुनिया में भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और दूसरे देश भारत से सीखना चाहते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मनरेगा में पहले कई तरह की अनियमितताएं थी, कई पात्र लोगों को वंचित रखा जाता था। अब योजना में सीधे श्रमिक के खाते में पैसा जाएगा, वो भी सात दिन के अंदर। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रभारी वेद फुला, पार्टी जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, प्रदेश संगठन सचिव सुरेंद्र आर्य, रोहताश जांगड़ा, अमीर चंद मेहता, प्रदीप रातुसरिया आदि मौजूद रहे।

अनाज भंडारण क्षेत्र में उतरेंगी सहकारी समितियां, सीएम पैक्सों से होगी शुरुआत

चीनी मिलों के घाटे को कम करने के लिए बनेगी समन्वय समिति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सहकारी समितियां अब अनाज भंडारण क्षेत्र में उतरेंगी। सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने इस दिशा में कदम आगे बढाते हुए सीएम पैक्सों से शुरुआत करने तथा इच्छुक सहकारी समितियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। यही नहीं प्रदेश के सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए भी जल्द ही समन्वय समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने हरियाणा सिविल सचिवालय में सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार एवं सभी सहकारी संस्थाओं के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। सहकारिता मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश में अनाज भंडारण के लिए गोदाम निर्माण के उद्देश्य से हैफेड को नोडल एजेंसी बनाते हुए

10 लाख मीट्रिक क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए अधिकृत किया गया है। इस दिशा में हैफेड द्वारा अब तक 3.35 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि 1.38 लाख लाख मीट्रिक टन के लिए प्रस्ताव राज्य स्तरीय समिति को भेज दिए गए हैं। सहकारी समितियां आत्मनिर्भर भारत - विकसित भारत संकल्प में अपना अहम योगदान दे सकें, इसके लिए सीएम पैक्सों को भी अनाज भंडारण क्षेत्र में अवसर दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में अब तक पंजीकृत सभी सीएम पैक्सों को इस संभावना के बारे में अवगत करवाते हुए अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि उन्हें व्यवहारिक तौर पर अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए भी सहकारी चीनी मिल प्रसंघ को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एक समन्वय समिति गठित की जाए, जो सभी चीनी मिलों के निरीक्षण करते हुए मिलों को घाटे से उभारने बारे रिपोर्ट दे।

गुरुग्राम में सिधरावली उपस्वास्थ्य केंद्र बनेगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य मंत्री ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में जनसुनवाई का आयोजन कर राज्य के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर पहुंचे। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए। आरती सिंह राव ने जनसुनवाई के दौरान मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का निपटारा तय समय सीमा के भीतर किया जाए और इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि जिन मामलों में तुरंत कार्रवाई संभव है, उनमें तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए और जटिल मामलों में संबंधित व्यक्ति को स्थिति से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करना ही सुशासन की पहचान है। आरती सिंह राव ने कहा कि आजकल सरकारी सेवाओं में डिजिटल तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया जा रहा है ताकि सेवाएं पारदर्शी, तेज और प्रभावी बन सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली को और मजबूत किया जाए ताकि लोग घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि हरियाणा सरकार जनता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

गन्नौर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के नाम पर होगा स्टेडियम

एजेंसी

सोनीपत। नगरपालिका सदन की बैठक नपाध्यक्ष अरुण त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नामित सहित 19 में से 17 पार्षद उपस्थित रहे, जबकि वार्ड 10 और 12 के पार्षद अनुपस्थित रहे। विधायक देवेंद्र कादियान बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। लगभग दो घंटे तक चली बैठक में शहर के विकास कार्यों, जनसुविधाओं और लंबित समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सर्व सम्मति से स्टेडियम का नाम अटल स्टेडियम पास किया गया।

देवेंद्र कादियान ने कहा कि शहर के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। शहर के पार्कों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा और प्रमुख चौकों का नामकरण किया जाएगा। रेलवे रोड पर जीटी रोड से रेलवे स्टेशन तक व्यवस्थित ढंग से जाली लगाई जाएगी। अड्डा क्षेत्र में बने महाराजा अग्रसेन द्वार की तर्ज पर बेगा रोड पर यमुना द्वार सहित अन्य द्वारों का निर्माण किया जाएगा। गन्नौर स्टेडियम का नाम अटल रखने की घोषणा भी की गई। विधायक ने बताया कि गांधी नगर क्षेत्र में विकास कार्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है, इसलिए इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में वार्ड पार्षद कृष्ण टांक ने रेलवे लाइन के दूसरी ओर श्मशान घाट की मांग रखी, वार्ड 6 के पार्षद अजय सरोहा ने गौशाला से सटी गली में लंबे समय से जलभराव की समस्या उठाई। पार्षद सतबीर शर्मा ने वसंत विहार में पानी की निकासी की समस्या रखी। बैठक में अड्डा क्षेत्र में ओवर ब्रिज के नीचे शौचालय निर्माण, आधार पहचान पत्र केंद्र बंद होने और मतदाता सूची अधिकारियों की लापरवाही जैसे मुद्दे भी उठे। विधायक ने उपमंडल अधिकारी से दूरभाष पर बात कर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर सख्त निर्देश

जारी करने को कहा। अरुण त्यागी ने बताया कि नगरपालिका द्वारा अब तक लगभग 690 बेसहारा गोवंश और 300 बंदरों को पकड़ा गया है। विधायक ने इसे शहर के लिए आवश्यक कदम बताया। विधायक ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में 50-50 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं। करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से वर्षा जल निकासी योजना की निविदा शीघ्र जारी की जाएगी। नगरपालिका की आय बढ़ाने के लिए चिन्हित भूमि पर व्यावसायिक भवन निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। इस अवसर पर नपा सचिव प्रदीप खर्ब, एमई राहुल मोर, जेई अरविंद सहित पार्षदगण मौजूद रहे।

चीफ जस्टिस के आगमन से पहले पुलिस ने की फाइनल रिहर्सल, दिए कड़े निर्देश

एजेंसी

हिसार। चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नारनौंद और पेटवाड़ में कार्यक्रमों को देखते हुए हांसी के पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने फाइनल रिहर्सल की और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान कोई भी कर्मचारी ड्यूटी में लापरवाही ना बरतें। कार्यक्रमों को मद्देनजर रखते हुए यातायात प्रबंधन, पार्किंग बैरिकेडिंग, ट्रेफिक रुट डयुटी, और वीवीआईपी मुवमेंट इत्यादि से सम्बन्धित सभी प्रकार के उचित प्रबंध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन कार्यक्रम स्थल पर काफी देर तक निरीक्षण करते रहे। उनके साथ एडिशनल सेशन जज निशांत शर्मा व सीजेएम अशोक कुमार ने भी कार्यक्रम में सुरक्षा को लेकर काफी देर तक चर्चा की। जिस बिल्डिंग में कोर्ट की शुरुआत होगी उसका भी निरीक्षण किया गया। उसी के साथ बार एसोसिएशन का कार्यक्रम होगा, वहां के लिए वाटर प्रूफ टेंट लगाया जा रहा है। वहां पर भी जाकर व्यवस्था की जानकारी ली। वहां पर

किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। उसके बाद पुलिस अधीक्षक गांव पेटवाड़ पहुंचे और वहां पर भी सुरक्षा को लेकर गहनता से मंथन किया।

इस अवसर हिसार के एडिशनल सेशन जज निशांत शर्मा, सीजेएम अशोक कुमार भी मौजूद रहे। डीएसपी देवेन्द्र नैन, डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई, डीएसपी विनोद शंकर, डीएसपी रविंदर सांगवान, थाना प्रभारी रमेश कुमार, इंस्पेक्टर पवित्र कुमार इत्यादि विशेष तौर पर मौजूद थे।

हाइड्रोजन प्लांट में ट्रेन का हुआ स्टेशनरी ट्रायल

एजेंसी

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को चलाने के लिए रेलवे विभाग द्वारा हाइड्रोजन प्लांट में ही स्टेशनरी ट्रायल किया जा रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन को ईंधन आपूर्ति के लिए हाइड्रोजन प्लांट को अंतिम कमीशनिंग एवं नियमित संचालन के दौरान स्थिर और निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। हाइड्रोजन गैस से चलने वाले इंजन धुएं की बजाय भाप और पानी छोड़ेंगे। इसलिए इसमें धुआं नहीं निकलेगा और पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होगा। स्टेशनरी ट्रायल पूरा होने के बाद हाइड्रोजन ट्रेन का रनिंग ट्रायल होगा। जिसमें अभी कुछ समय लग सकता है। रनिंग ट्रायल से पहले फिटनेस जांच की गई। गौरतलब है कि जींद से सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलेगी। ट्रेक पर उतरने से पहले रेलवे अधिकारी इसकी पूरी तरह जांच करने में लगे हुए हैं। रेलवे इस बड़े प्रोजेक्ट को लेकर कोई कसर नहीं रखना चाहती। इसके लिए हर चीज की बारीकी से जांच की जा रही है। इसी के चलते हाइड्रोजन प्लांट में पिछले एक सप्ताह से जांच जारी है। एक जनवरी को हाइड्रोजन ट्रेन जींद जंक्शन पर पहुंच गई थी। टीम द्वारा हाइड्रोजन ट्रेन की टेस्टिंग की जा रही है। टीम पावर कार, उससे जुड़े सुरक्षा, नियंत्रण उपकरण, स्पीड सेंसर, कंट्रोल सिस्टम को अलग-अलग गति पर परखा जा रहा है ताकि जब ट्रेन ट्रैक पर उतरे तो ट्रेन निर्धारित मानकों के अनुसार सुरक्षित रूप से संचालित हो सके। इस समय जींद-सोनीपत रूट पर तीन ट्रेन चल रही हैं। रेलवे के

वरिष्ठ रेलवे अधिकारी राधेश्याम तिवारी ने बताया कि जींद से सोनीपत की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है। यह ट्रेन 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। एक घंटे में लोग सोनीपत पहुंच सकेंगे।

हरियाणा सरकार की महिला हितैषी घोषणाएँ खोखली : सांसद कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा सरकार एक ओर लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की 43,747 आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को उनका वैधानिक मानदेय तक समय पर नहीं दिया जा रहा। यह स्थिति सरकार के महिला-सम्मान के दावों की पोल खोलती है। यह बात सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जुलाई माह से केंद्र सरकार के हिस्से का मानदेय जारी नहीं होने के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने लगभग 3000 तक कम भुगतान मिल रहा है। इससे हजारों गरीब महिलाएं गंभीर आर्थिक संकट में फंस गई हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य निगरानी और प्रारंभिक शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मजबूरी में उधार लेने, बच्चों की स्कूल फीस न भर पाने और घरेलू खर्च चलाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार महिलाओं के नाम पर योजनाओं का प्रचार कर सकती है, तो मेहनत करने वाली गरीब महिलाओं का हक क्यों छीना जा रहा है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय है। कुमारी सैलजा ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही केंद्र व राज्य सरकार मिलकर बकाया मानदेय जारी नहीं करतीं, तो कांग्रेस पार्टी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सड़क से संसद तक संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा नुकसान बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। कांग्रेस पार्टी आंगनबाड़ी बहनों के सम्मान, अधिकार और पूरे मानदेय के लिए मजबूती से खड़ी है। एचपीएससी व एचटेट में गड़बड़ियों के आरोप की हो निष्पक्ष जांचः सांसद कुमारी सैलजा ने एचपीएससी भर्ती प्रक्रिया और एचटेट परीक्षा परिणाम को लेकर सामने आए गंभीर आरोपों पर कड़ा रुख अपनाया है।

संक्षिप्त समाचार

बेल्लमपल्ली जिला घोषित करने के लिए सौंपा ज्ञापन

मनोज कुमार पांडेय

बेल्लमपल्ली 8 जनवरीः बेल्लमपल्ली जिला साधना समिती के प्रचार कार्यदर्शी कोलीपाका श्रीनिवास ने गुरुवार स्थानीय एमआरओ कार्यालय मे एमआरओ कृष्ण को याचिका सौंपा. इस अवसर पर उन्होंने बताया विकास से कोसों दूर हुआ बेल्लमपल्ली को जिला घोषित किया जाना चाहिए. बेल्लमपल्ली मे हजारों एकड़ सरकारी जमीन, सिंगरेनी कॉलरिज के गेस्ट हाउस, क्वाटर्स उपलब्ध पड़ी है. राज्य सरकार एक बार विचार करने की गुजारिश किया.इस कार्यक्रम मे होटल एसोसिएशन के नेता अरिकेला दुर्गाय्या शामिल हुवे.

वेमुलावाड़ा सरकारी हॉस्पिटल में स्वच्छ भारत अवेयरनेस प्रोग्राम

राजन्ना सिरिसिला, 8 जनवरी,

कायाकल्प प्रोग्राम के तहत, गुरुवार को राजन्ना सिरिसिला जिले के वेमुलावाड़ा सरकारी रीजनल हॉस्पिटल में स्वच्छ भारत का आयोजन किया गया। सभी स्टाफ ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में साफ़-सफ़ाई और सैनिटेशन के महत्व और इसे कैसे फ़ॉलो करें, इस पर चर्चा की और उन्हें फ़ॉलो करने का वादा किया। बाद में, लोगों में अवेयरनेस लाने के लिए वेमुलावाड़ा की सड़कों पर एक रैली निकाली गई। इस प्रोग्राम में सुपरिटेंडेंट डॉ. रविंदर के साथ दूसरे डॉक्टर पेंचलय्या, अनिल, तिरुपति, प्रणति, हॉस्पिटल स्टाफ नागराजू, अंजम्मा, झांसी, ब्लॉसम, दूसरे सैनिटरी स्टाफ, नर्सिंग स्टूडेंट्स और दूसरे लोगों ने हिस्सा लिया।

तावडू में डाक्टर सुशील कुमार गर्ग ने सामाजिक सरोकार का उदाहरण पेश करते हुए बच्चों को बांटे कंबल

एजेंसी

तावडू, 8 जनवरी - जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन डाक्टर सुशील कुमार गर्ग तथा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नेहा गुप्ता ने वीरवार को दीपालया चिल्ड्रन होम का निरिक्षण किया। जहां पर निवासरत बच्चों के लिए एक सराहनीय पहल करते हुए वरुण बेवरेजेस के सहयोग से निःशुल्क कंबल वितरित किए। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर विशेष उत्साह व खुशी देखने को मिली। कंबल पाकर बच्चों ने भी सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान डाक्टर सुशील कुमार गर्ग ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद बच्चों के लिए ऐसे प्रयास न केवल उन्हें सुरक्षा और स्नेह का एहसास कराते हैं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में भी प्रेरणा देते हैं। सीजेएम नेहा गुप्ता ने भी बच्चों से संवाद कर उन्हें पढाई, अनुशासन व आत्मविश्वास के महत्व के बारे में बताया। दीपालयाज चिल्ड्रन होम के प्रबंधन ने इस सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ और उपस्थित सभी लोगों ने इस मानवीय पहल की दिल से प्रशंसा की।

पुन्हाना में 18 से 26 जनवरी तक भव्य श्रीराम कथा व पालकी यात्रा का आयोजन, समिति सदस्यों ने प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को दिया निमंत्रण

एजेंसी

पुन्हाना , 8 जनवरी - श्री श्री 1008 श्री बाबा लालदास जी महाराज के मंदिर प्रांगण में आगामी 18 से 26 जनवरी 2026 तक भव्य संगीतमय श्रीराम कथा एवं पालकी यात्रा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री श्री 1008 श्री बाबा लालदास जी महाराज मंदिर सेवा समिति, पुन्हाना द्वारा किया जा रहा है। आयोजन की शुरुआत 18 जनवरी को प्रातः 11 बजे कलश यात्रा से होगी। इसके बाद प्रतिदिन दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक श्रद्धेय श्री मदन मोहन जी महाराज (सुखसागर, जयपुर राजस्थान) द्वारा संगीतामय श्रीराम कथा का रसपान कराया जाएगा।समापन अवसर पर 26 जनवरी को प्रातः 10 बजे हवन व पूर्ण आहुति तथा उसी दिन दोपहर 03 बजे भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी।कार्यक्रम को लेकर लालदास समिति से प्रधान अशोक गोयल , हेमराज गर्ग , बसंत गर्ग त्रिलोक कंसल सहित समिति व समाज के गणमान्य लोगों ने उपमंडल अधिकारी नूंह कंवर आदित्य विक्रम को औपचारिक रूप से आमंत्रण पत्र दिया ।साथ ही उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह उर्फ पिंटू को भी आयोजन में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र दिया ।आयोजकों ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बनाने के साथ-साथ सामाजिक एकता का संदेश देगा। समिति ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीराम कथा का श्रवण करें और भव्य पालकी यात्रा में सहभागी बनें।

एसडीएम अभिनव सिवाच ने डा. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम का किया निरीक्षण

एजेंसी

बहादुरगढ़, 8 जनवरीः उपमंडल में सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त रखने की दिशा में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में एसडीएम अभिनव सिवाच ने बादली रोड स्थित डा. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान स्टेडियम परिसर में अवैध निर्माण को लेकर प्राप्त शिकायतों का मौके पर जायजा लिया। एसडीएम अभिनव सिवाच ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टेडियम में यदि किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण पाया जाता है तो उसे नियमानुसार तत्काल हटाने की कार्रवाई करें। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि खेल परिसरों की मूल संरचना से छेड़छाड़ अथवा अतिक्रमण किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। निरीक्षण दौरान एसडीएम अभिनव सिवाच ने स्टेडियम की मौजूदा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

रेलवे में 52 बड़े सुधारों का रोडमैप, सुरक्षा और तकनीक पर विशेष जोर

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने रेल भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना जी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू जी के साथ रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ तथा वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की। बैठक में रेलवे में बड़े सुधार लाने का निर्णय लिया गया। इस वर्ष 52 बड़े सुधार लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में नए वर्ष, नए संकल्प और रेलवे में व्यापक सुधार की भावना पर जोर दिया गया। 52 सप्ताह में 52 सुधार - कार्यकुशलता, गवर्नेंस और सर्विस डिलीवरी में प्रणालीगत सुधार। सुरक्षा पर फोकस - कॉनसिक्वेन्शियल रेल दुर्घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत की कमी (2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 11); इसे सिंगल डिजिट तक लाने का लक्ष्य। एआई एवं टेक्नोलॉजी बूस्ट - सुरक्षा, मेंटेनेंस और ऑपरेशन्स के लिए एआई और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के उपयोग में तेजी। टैलेंट एवं ट्रेनिंग सुधार - कर्मचारियों के टैलेंट मैनेजमेंट और स्किल डेवलपमेंट के लिए नए और इनोवेटिव तरीकों पर विचार। फूड एवं कैटरिंग सुधार - फूड क्वालिटी, कैटरिंग और ऑनबोर्ड सर्विसेज को बेहतर बनाने के लिए बड़े सुधार। बैठक में केंद्रीय रेल राज्य मंत्रियों, चेयरमैन एवं सीईओ तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने ऑन-ग्राउंड एक्सपीरियंस साझा किए।

विश्वगुरु वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अभिनव संस्था का सत्ता

मनोज कुमार पांडेय

बेल्लमपल्ली 8 जनवरी : मंचेरियाल जिला, तांडूर के प्रमुख सेवा संस्था अभिनव वॉलंटरी सर्विस ऑर्गनाइज़ेशन के फाउंडर अभिनव संतोष कुमार, जो तीन दशकों से समाज सेवा के क्षेत्र में बिना थके काम कर रहे हैं, उन्हें विश्वगुरु वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित कामधेनु अवॉर्ड्स-2025 प्रोग्राम में कामधेनु नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. आंध्र प्रदेश के तिरुपति में बुधवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में, मशहूर फिल्म अभिनेता ब्रह्मानंदम ने तिरुपति के विधायक जय श्रीनिवासुलु, एमएलसी सुब्रमण्यम, टीयूडी चेयरमैन, टीटीडी एक्स-ऑफिसियो मेंबर और तिरुपति पार्लियामेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी डॉलर्स दिवाकर रेड्डी की मौजूदगी में अभिनव संतोष कुमार को यह प्रतिष्ठित नेशनल अवॉर्ड दिया.इस मौके पर प्रोग्राम के ऑर्गनाइज़र रामबाबू ने कहा कि पिछले 30 सालों से अभिनव संतोष कुमार, जो अभिनव चैरिटी ऑर्गनाइज़ेशन के ज़रिए अनाथों, गरीबों और ज़रूरतमंदों की मदद कर रहे हैं और 'जहाँ मुश्किलें और आँसू हैं, वहाँ हमारे हाथ हैं' के मोटो के साथ सेवा कार्यक्रम चला रहे हैं, वह तारीफ़ के काबिल है। उन्होंने कहा कि उनके इस काम के लिए उन्हें यह नेशनल अवॉर्ड मिलना समाज के लिए गर्व की बात है।. कार्यक्रम में कई मशहूर हस्तियों और सेवा ऑर्गनाइज़ेशन के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और अभिनव संतोष कुमार को सम्मानित किया। उनका मानना है कि यह अवॉर्ड उनकी सेवाओं को और बढ़ावा देगा।

राज्य नेतृत्व ने दिलीप ठाकुर की चौबीसों घंटे की मेहनत को पहचाना

ब्यूरो /अनंतोजी कलिदास

नांदेड़ 7 प्रतिनिधि- नांदेड़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में क्ष्छक का मेयर हो, इस पक्के इरादे के साथ क्ष्छक ने अपनी चुनावी स्ट्रैटेजी तेज़ कर दी है, और क्ष्छक डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी धर्मभूषण एडवोकेट दिलीप ठाकुर ने क्ष्छक सेंट्रल इलेक्शन कैंपेन ऑफिस के खुलने से लेकर इलेक्शन रिज़ल्ट आने तक सचमुच अपना बिस्तर पकड़ लिया और ऑफिस में ही रहे। उनके चौबीसों घंटे काम को देखते हुए, क्ष्छक स्टेट प्रेसिडेंट रवींद्र चव्हाण और पूर्व मुख्यमंत्री अशोकराव चव्हाण ने उन्हें सम्मानित किया।

दिलीप ठाकुर सिर्फ़ एक ऑफ़िस बेयरर नहीं हैं, बल्कि चुनावी जीत के एक अनुभवी आर्किटेक्ट के तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने 1995 से अब तक हुए नौ लोकसभा और आठ असेंबली इलेक्शन में कैंपेन सिस्टम बनाने के लिए खुद को फुल-टाइम समर्पित किया है। इसलिए, दिलीप ठाकुर को इलेक्शन मैनेजमेंट का लंबा और मज़बूत अनुभव है। इलेक्शन मैनेजमेंट में उनकी सटीक स्ट्रैटेजी और दूर की सोच की वजह से, उनकी पहचान इलेक्शन के मास्टरमाइंड के तौर पर बन गई है। इसी अनुभव के दम पर इस साल के मनपा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री स्क्क अशोकराव चव्हाण, स्क्क अजीत गोपछड़े, संगठन मंत्री संजय कोडगे, अमर राजुरकर और पूर्व मंत्री डी.पी. सावंत ने सेंट्रल कैंपेन ऑफिस की पूरी जिम्मेदारी दिलीप ठाकुर को सौंपी है। ढ्ढ्ढ इलाके में बना स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सेंट्रल कैंपेन ऑफिस क्ष्छक के चुनाव कैंपेन का असली 'वॉर रूम' बन गया है। यहां रोज़ाना स्ट्रेटेजी मीटिंग, प्रेस कॉन्फ्रेंस, उम्मीदवारों से सीधा संवाद, नेताओं के दौरे, मीटिंग और रैलियों की प्लानिंग, गाड़ी और प्रोग्राम परमिट, खर्च का ब्योरा, साथ ही अखबारों और मीडिया का एनालिसिस बहुत ही अनुशासित तरीके से किया जा रहा है। इस ऑफिस के ज़रिए नांदेड़ शहर के सभी उम्मीदवारों से रोज़ाना तालमेल रखकर कैंपेन को एक जैसी और आक्रामक दिशा दी जा रही है। दिलीप ठाकुर के अनुशासित, प्लान और चौबीसों घंटे काम करने को देखते हुए, प्रदेश अध्यक्ष की तरफ से मिली तारीफ से हर जगह उनकी तारीफ हो रही है। इस सम्मान से कार्यकर्ताओं में नई ताकत आई है और नांदेड़कर तक एक मज़बूत राजनीतिक संदेश पहुंचा है कि क्ष्छक की जीत अब सिर्फ़ एक संभावना नहीं है, बल्कि एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ रही है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत 10 को बरवाला में नव स्थापित न्यायालय का उद्घाटन एवं न्यायिक परिसर का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

बरवाला, 08 जनवरी- भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत 10 जनवरी को बरवाला आएंगे। इसी के दृष्टिगत उपायुक्त महेंद्र पाल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने बरवाला का दौरा किया और उनके कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियो का निरीक्षण किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत 10 जनवरी को बरवाला में नव स्थापित एसडीजेएम न्यायालय का उद्घाटन एवं न्यायिक परिसर के शिलान्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर यहां पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। पुलिस द्वारा नाके लगाकर आने जाने वाले वाहनों व लोगों पर निगाह रखी जा रही है। वहीं पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के रजिस्ट्रार जनरल ने बरवाला में दो जजों की नियुक्ति की है। यहां पर नई कोर्ट की स्थापना होने पर करनाल से सिविल जज राकेश कुमार को एडिशनल सिविल जज सीनियर डिवीजन तथा हिसार से सुनील कुमार सिविल जज को यहां पर नियुक्त किया गया है। लघु सचिवालय के सामने यहां पर बड़ा पंडाल बनाया गया है तथा यहां पर बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है।

इस पंडाल में हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले जजों एवं वकीलों के लिए स्थान निर्धारित किया गया है। बरवाला उपमंडल में नई कोर्ट के स्थापित होने के बाद हिसार जिला न्यायालय में चल रहे इलाके के हजारों केसों को यहां स्थानांतरित किया जाएगा।

कन्नेपल्ली पुलिस गस्ति के दौरान गांजा पकड़ा गया

मनोज कुमार पांडेय

बेल्लमपल्ली 8 जनवरी : मंचेरियाल जिला,कन्नेपल्ली एसआई द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्नेपल्ली सबस्टेशन पर वाहनों की जाँच करते समय, एक बाइक पर दो लोग संदिग्ध रूप से आए और पुलिस को देखकर भाग गए. पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी जाँच की, उनके पास से 20 ग्राम गांजा पाया गया. जब उनसे पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया ,सुंदिला प्रभाकर (22) चिंतपुड़ी निवासी ,राउथु मारुति(25)लिंगाला निवासी, उन्होंने बेल्लमपल्ली के राडागम्बाला बस्ती के पिडुगुराल्ला चंदर(चंदू) नामक व्यक्ति ने उन्हे गांजा बेचा था। तुरंत एसआई बेल्लमपल्ली गए और उसे पकड़ लिया और उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 100 ग्राम गांजा मिला. उन्होंने दो पुलिसवालों की मौजूदगी में गांजा जब्त कर थाने ले आए और तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया. इस मौके पर तांडूर सीआई देवैया ने कहा कि गांजा पीते या बेचते हुए पकड़े जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और अगर किसी के पास गांजे के बारे में कोई जानकारी है तो पुलिस को बताएं. उनके नाम गोपनीय रखे जाएंगे। उन्होंने ने कन्नेपल्ली एसआई भास्कर और पुलिस कर्मियों को बधाई दी.

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समारोह में शामिल हुए जिला कलेक्टर

खम्मम, मधुश्री नलबोला, 8 जनवरी:

जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने कहा कि जिले में दिव्यांगों के कल्याण और उत्थान के लिए एक ठोस कार्ययोजना लागू की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर गुरुवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समारोह में जिला कलेक्टर ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने कहा कि ग्राम पंचायत चुनावों के कारण अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समारोह एक महीने की देरी से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में खम्मम जिला प्रशासन हमेशा आगे रहता है। कलेक्टर ने बताया कि सरकार ने दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए धन जारी कर दिया है और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जिले में आवेदन करने वाले पात्र दिव्यांग जोड़ों को यह प्रोत्साहन राशि शीघ्र मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्रवृत्ति और दिव्यांगों के लिए आवश्यक उपकरणों के वितरण में आने वाली समस्याओं को सरकार के संज्ञान में लाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी पात्र दिव्यांगों को पारदर्शी तरीके से 'सदरम' प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए कदम उठाए गए हैं और प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया की रैंडम चेकिंग की जाएगी ताकि केवल पात्र लोगों को ही इसका लाभ मिले। कलेक्टर ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि 'प्रजावाणी' कार्यक्रम के दौरान एक आवेदन मिला था जिसमें दृष्टि दोष के कारण एक बच्चे को स्कूल नहीं भेजा जा रहा था। उन्होंने कहा कि खम्मम जिले में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए विशेष रूप से एक स्कूल स्थापित करने के उपाय किए गए हैं और इसे जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि खम्मम नगर निगम और नगर पालिकाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे रेहड़ी-पटरी के व्यवसाय में दिव्यांगों को प्राथमिकता दें। साथ ही, 'इंदिरम्मा आवास योजना' के लाभार्थियों में दिव्यांगों के लिए 5 प्रतिशत कोटा लागू करने के लिए कदम उठाए गए हैं। मंत्री की अनुमति से दिव्यांगों के लिए 'आत्म गौरव भवन' हेतु जल्द ही भूमि आवंटित की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी बताया कि नए मी-सेवा केंद्रों की स्थापना में दिव्यांगों को 5 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का पूरा लाभ उठाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। हैदराबाद कलेक्टर के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वहां उन्होंने बैकलॉग पदों को भरा था। उन्होंने आश्वासन दिया कि खम्मम जिले में भी नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से बैकलॉग पदों को भरने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। कलेक्टर ने दिव्यांग खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

दिव्यांग कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने मांग की कि दिव्यांगों के लिए 'आत्म गौरव भवन' का आवंटन किया जाए। उन्होंने वाहनों के पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने में आने वाली समस्याओं के समाधान का भी अनुरोध किया।

सभी को रोड सेफ्टी नियमों का पालन करना चाहिए

राजन्ना सिरिसिला (थंगलपल्ली), जनवरी - 08,

, इंचार्ज कलेक्टर गरिमा अग्रवाल ने सड़क पर सभी से रोड सेफ्टी नियमों का पालन करने की अपील की। ??नेशनल रोड सेफ्टी मंथ सेलिब्रेशन के मौके पर गुरुवार को तंगलपल्ली मंडल के मंडेपल्ली में ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की देखरेख में ड्राइवरों और स्कूली स्टूडेंट्स के लिए एक अवेयरनेस प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया, जिसमें इंचार्ज कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और स्क्क महेश बी गीते चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। सबसे पहले, तेलंगाना के कल्चरल परफॉर्मर्स ने अवेयरनेस फैलाने के लिए रोड सेफ्टी, जिम्मेदारी और एक्सीडेंट से बचाव पर गाने गाए। इस मौके पर अधिकारियों, ड्राइवरों और स्कूली छात्रों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली। इंचार्ज कलेक्टर गरिमा अग्रवाल ने कहा कि पिछले साल देश में 4,80,000 एक्सीडेंट हुए, जिनमें 1,70,000 लोगों की जान चली गई। उन्होंने बताया कि हर दिन सड़क हादसों में 20 लोगों की मौत होती है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल जिले में 268 एक्सीडेंट हुए थे।

उन्होंने कहा कि अगर आप कहीं भी हॉस्पिटल जाएं, तो ज़्यादातर पीड़ित सड़क हादसों के शिकार होते हैं। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में सबसे पहले ड्राइवर शिकार नहीं होते, और उन्होंने हर ड्राइवर को सलाह दी कि वे हर दिन गाड़ी की सुरक्षा की शपथ लेकर घर से निकलें। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने परिवार और बच्चों की ज़िम्मेदारी याद रखनी चाहिए और सावधानी से गाड़ी चलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों से ड्राइवर के साथ-साथ दूसरों की भी जान जाती है। उन्होंने सभी से ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए गाड़ी चलाने की अपील की। ??उन्होंने यात्रियों के साथ नरमी से पेश आने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हर महीने ऋक्क क्क्क पुलिस, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट, ऋक्ष्ष्ट अधिकारियों के साथ रोड सेफ्टी कमिटी की मीटिंग हो रही है और ब्लैक स्पॉट पहचानने, उन्हें रोकने, साइनबोर्ड लगाने वगैरह के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रोड एक्सीडेंट को पूरी तरह से कम करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आदेश दिया कि ड्राइवरों को रोड सेफ्टी के बारे में जागरूक किया जाए और मेडिकल जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट के टू-व्हीलर चलाने वालों को पेट्रोल न भरने के निर्देश दिए जाएंगे और नो हेलमेट, नो पेट्रोल लागू किया जाएगा।

उन्होंने हर टू-व्हीलर चलाने वाले को सस्ता हेलमेट खरीदने और गाड़ी में चढ़ने से लेकर उतरने तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि सरकार रोड एक्सीडेंट में घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाकर जान बचाने वालों को राहवीर गुड सम्राट के तहत 25,000 रुपये की मदद देगी और रोड एक्सीडेंट में घायलों को हॉस्पिटल में 1 लाख 50,000 रुपये तक का इलाज कराने की सुविधा है।

गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करें।

स्क्क महेश बी. गीते ने हर ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर अनजान ड्राइवर आएं तो पुलिस को बताएं। उन्होंने साफ किया कि स्कूल ऑटो और बसों में स्टूडेंट्स को लिमिट से ज़्यादा नहीं ले जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ज़्यादातर एक्सीडेंट शराब पीकर गाड़ी चलाने से होते हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि सेल फ़ोन पर बात करते हुए गाड़ी न चलाएं। उन्होंने कहा कि टू-व्हीलर चलाने वालों को हेलमेट पहनना चाहिए, कार चलाने वालों को सीट बेल्ट लगानी चाहिए, और साइकिल चलाने वाले बच्चों को हेलमेट इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि नाबालिगों को गाड़ी नहीं चलानी चाहिए और अगर वे गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए, तो उनके पेरेंट्स के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोड सेफ्टी के तरीकों को लागू करने की वजह से पिछले साल के मुकाबले एक्सीडेंट में 40 परसेंट की कमी आई है। उन्हें उम्मीद है कि एक्सीडेंट पहले ही नहीं होंगे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे ट्रिपल राइडिंग न करें और गलत रास्ते पर गाड़ी न चलाएं।

हर महीने खास पहल के साथ रोड सेफ्टी मीटिंग..

सिरिसिला और वेमुलावाड़ा डिपो मैनेजर्स ने इस बात की तारीफ की कि कलेक्टर-इन-चार्ज गरिमा अग्रवाल हर महीने खास पहल के साथ रोड सेफ्टी मीटिंग कर रही हैं, ब्लैक स्पॉट को कंट्रोल करने, सड़क पर आने वाली पेड़ों की टहनियों को हटाने और दूसरे सेफ्टी के तरीके अपना रही हैं।

टाइड्स इंस्पेक्शन।

इंचार्ज कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और स्क्क महेश बी. गीते ने वहां मौजूद तेलंगाना इंस्टिट्यूट ऑफ़ ड्राइविंग एजुकेशन एंड स्किल्स (ञ्रढ्ढष्ठश्वस्) का इंस्पेक्शन किया। इस मौके पर स्क्क ने सिम्युलेटर पर बैठकर उसके इस्तेमाल के बारे में जाना। दुरई मुरुगन ने वहां लगे इंजन, दूसरी गाड़ियों के पार्ट्स वगैरह के इस्तेमाल के बारे में भी बताया।

शरिया, मनुस्मृति या भारतीय संविधान

विचार

" एक दिलचस्प तथ्य यह है कि भारतीय इतिहास के मध्यकाल के दौरान मुस्लिम शासकों ने भी शरिया को लागू नहीं किया था। जहां मुफ्ती की अपनी राय है, वहीं असगर अली इंजीनियर, जो भारत में इस्लाम के सबसे बड़े अध्येता थे, की संविधान के संदर्भ में शरिया की भूमिका पर अलग राय थी। डॉ. इंजीनियर अक्सर शूरा (आपसी विचार विमर्श) का जिक्रकरते हुए यह तर्क देते थे कि समकालीन विश्व में लोकतंत्र और उससे जुड़े सिद्धांतों का पालन संभव है। डॉ इंजीनियर का मानना था कि कुरान की अवधारणाओं और आधुनिक काल का प्रतिनिधित्व-आधारित लोकतंत्र - जो एक मानवीय अवधारणा है

राम पुनियानी

भारतीय संविधान को आजादी के संघर्ष के मूल्यों के आधार पर गढ़ा गया है। संविधान सभा, जो मोटे तौर पर भारत की जनता का प्रतिनिधित्व करती थी, ने भारतीय संविधान का निर्माण किया जो हमारे राष्ट्रीय जीवन का पथप्रदर्शक है। संविधान स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय पर आधारित लोकतांत्रिक समाज की स्थापना की अपेक्षा एवं आव्हान करता है।

देश की राजनैतिक ताकतों का एक तबका, जिसमें मुख्यत : कट्टरपंथी हिंदू थे, भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की वकालत करता था। उसने शुरू से ही संविधान का विरोध किया। हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के नेता, जिन्हें समाज के कट्टरपंथी तत्वों का समर्थन प्राप्त था, के विचार आरएसएस के मुखपत्र आर्गनाईजर में प्रकाशित एक लेख में जाहिर हुए, जिसमें यह कहते हुए भारतीय संविधान का विरोध किया गया कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है और इसे हिंदू स्वीकार नहीं करेंगे। सावरकर ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए कहा कि मनुस्मृति ही हमारा संविधान है। इसी नजरिए को अभिव्यक्त करते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने हाल में कहा कि मनुस्मृति का दर्जा भारतीय संविधान से ऊंचा है। केवल यही वर्ग ऐसा नहीं है जो संविधान के प्रति उपेक्षापूर्ण नजरिया रखता है और 'ईश्वर की वाणी' अर्थात धर्मग्रंथों को प्रधानता देता है। मौलाना मुफ्ती शमाइल नदवी ने भी इसी तरह का वक्तव्य दिया है। ये मौलाना हाल में जावेद अख्तर के साथ 'क्या ईश्वर का अस्तित्व है' विषय पर बहस के बाद चर्चित हुए हैं। उनकी एक टिप्पणी वायरल हुई है जिसमें वे कहते हैं, मुसलमानों ने धर्मनिरपेक्षता को मान्यता देकर और शरिया पर राष्ट्रीय संस्थाओं को सवीच्चता देकर गलती की। उन्होंने लोकतंत्र और देश को धर्म से ऊपर रखने की भी आलोचना की। मौलाना ने सवाल उठाया कि क्या आस्थावानों को चुपचाप इस्लामिक कानूनों के विपरीत अदालतों के फैसलों को स्वीकार कर लेना चाहिए। इन वक्तव्यों को उलेमा की राय बताकर पेश किया

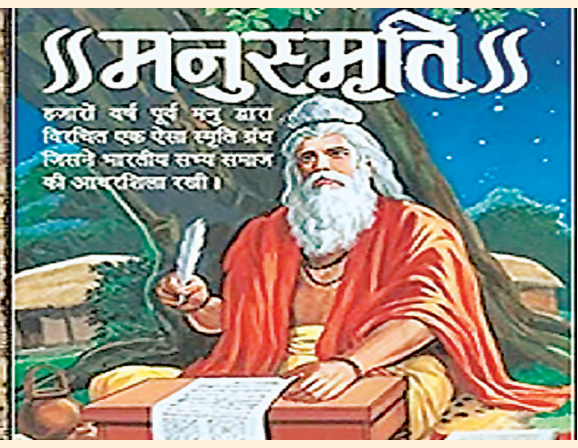

जाता है लेकिन आलोचकों का मानना है कि इस तरह की बातें भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ हैं और धर्म की प्रधानता को पुष्ट करती हैं। जहां मनुस्मृति ब्राम्हणवाद का प्रतिनिधित्व करने वाले मूल्यों का संकलन है, जो हिन्दू धर्म की प्रमुख धारा है, वहीं शरिया कई चीजों का मिश्रण है। शरिया एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ होता है मार्ग या रास्ता। इस्लामिक कानून और आचरण संबंधी ये नियम निम्न स्त्रोतों पर आधारित हैं- कुरान, हदीस (पैगम्बर मोहम्मद के कथन और कार्य), इज़मा (विद्वानों की सर्वसम्मत राय) और कियास (दो मसलों में समानताओं के आधार पर उन्हें एक बराबर मानना)। शरिया केवल गलत काम करने के लिए दंड की व्यवस्था नहीं है वह व्यक्तिगत आचरण एवं कानूनी मसलों के संबंध में मार्गदर्शन भी है। व्यवहार में शरिया की व्याख्या विधिशास्त्र के विभिन्न केन्द्रों द्वारा की जाती है (सुन्नी, हनफी, शाफई, मलिकी, हम्बली, शिया और जाफरी)। इस प्रकार शरिया की न्याय प्रणाली में विविधता है। मुस्लिम बहुमत वाले लगभग 55 देशों में से केवल सऊदी अरब, ईरान और अफगानिस्तान में कानून पूर्णतः शरिया पर आधारित हैं। कुछ अन्य मुस्लिम बहुमत वाले देशों में यह आंशिक रूप से लागू है। भारत में केवल मुस्लिम पर्सनल लॉ शरिया के आधार पर बनाए गए हैं। बदलते समय और सामाजिक हालातों और इन कानूनों के बनाए जाने के बाद सैकड़ों सालों में आए बदलावों के मद्देनजर क्या किया जाना चाहिए? भारत में धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लगातार मनुस्मृति को लागू करने की बात करते हैं। क्या मुफ्ती के दावे के अनुसार शरिया को संविधान से ऊपर रखा जा सकता है? विधि विशेषज्ञ फैजान मुस्तफा एक वीडियो में तर्क देते हैं कि हर देश में संविधान ही सवीपरि है। कई देशों में संविधान शरिया को मान्यता देता है और उसके कुछ प्रावधानों को संविधानों में स्थान दिया गया है। मुस्लिम बहुमत वाले देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति क्या है? इनमें से कुछ देश बहुत कम लोकतांत्रिक हैं तो कुछ में जनता की आवाज ज्यादा सुनी जाती है। सोशल मीडिया पर इन दिनों शमाइल की इस बात के लिए आलोचना की जा रही है कि वे मुसलमानों को संविधान का पालन न करने के लिए भड़का रहे हैं, जो एक राष्ट्र विरोधी कृत्य है। वहीं दूसरी ओर कई लोग शरिया का समर्थन करने के लिए मुफ्ती की प्रशंसा कर रहे हैं। एक दिलचस्प तथ्य यह है कि भारतीय इतिहास के मध्यकाल के दौरान मुस्लिम शासकों ने भी शरिया को लागू नहीं किया था। जहां मुफ्ती की अपनी राय है, वहीं असगर अली इंजीनियर, जो भारत में इस्लाम के सबसे बड़े अध्येता थे, की संविधान के संदर्भ में शरिया की भूमिका पर अलग राय थी। डॉ. इंजीनियर अक्सर शूरा (आपसी विचार विमर्श) का जिक्रकरते हुए यह तर्क देते थे कि समकालीन विश्व में लोकतंत्र और उससे जुड़े सिद्धांतों का पालन संभव है। डॉ इंजीनियर का मानना था कि कुरान की अवधारणाओं और आधुनिक काल का प्रतिनिधित्व-आधारित लोकतंत्र - जो एक मानवीय अवधारणा है - एकदम समान भले ही न हों परंतु आधुनिक लोकतंत्र के मूल तत्व और कुरान की लोगों से विचार विमर्श करने की हिदायत करीब-करीब एकसी हैं। उनके अनुसार नई संस्थाएं विकसित होती रहती हैं और मनुष्य अपने दुनियावी अनुभवों के अनुसार बदलता रहता है और इन संस्थाओं में सुधार करता रहता है। समकालीन विश्व में शूरा की अवधारणा का अर्थ होना चाहिए लोकतांत्रिक प्रयिाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना, जिनके लिए चुनाव एक अनिवार्य जरूरत होगी। कुरान न केवल शूरा की अवधारणा के बारे में बताती है बल्कि तानाशाही की किसी भी अवधारणा का जरा सा भी समर्थन नहीं करती। भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में, जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित था और जिसका लक्ष्य लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना था, में अन्य इस्लामिक विद्वानों के साथ-साथ इस्लाम के बहुत बड़े अध्येता मौलाना अबुल कलाम आजाद और समर्पित मुस्लिम नेता खान अब्दुल गफ्फार खान भी शामिल थे। ये सभी नेता लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र और लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं की स्थापना के प्रति प्रतिबद्ध थे।

कुछ साल पहले ही मुस्लिम महिलाओं ने शाहीन बाग आंदोलन के माध्यम से समुदाय को मताधिकार से वंचित करने की आशंका के खिलाफ अपनी लोकतांत्रिक ताकत का अहसास कराया था। वर्तमान समय की जरूरत क्या है? भारत में मुसलमान हिन्दुत्व की राजनीति के निशाने पर होने के कारण अपने आपको घिरा हुआ-सा महसूस कर रहे हैं। मुसलमानों में रूढ़िवाद बढ़ रहा है। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती आधुनिक संस्थाओं के माध्यम से नागरिक के रूप में अपने अधिकारों की रक्षा करने की है।

इस्लाम में भी कानूनों की कई धाराएं और न्यायशास्त्र की विभिन्न प्रणालियां हैं। चूंकि ये शरिया का हिस्सा हैं, इसलिए शरिया किसी मसले पर क्या कहती है, इस पर भी विवाद संभव है। चूंकि मुस्लिम इस देश में अल्पसंख्यक हैं, इसलिए उनके पर्सनल लॉ हैं, जिनका भी विरोध होता रहता है। वर्तमान में हिन्दू दक्षिणपंथ प्रमुख प्रतिगामी ताकत है जो मनुस्मृति के मूल्यों को प्रधानता दिलवाने के प्रयास में जुटी हुई है। धर्म का मुखौटा लगाकर गैर-बराबरी कायम करने के ये प्रयास स्वागतयोग्य नहीं हैं। हमें उन यूरोपीय राष्ट्रों की ओर भी देखना चाहिए जहां धर्म के पैर उखड़ रहे हैं। वर्तमान में हम दो परस्पर विरोधी स्थितियों का सामना कर रहे हैं। एक ओर मानव समाज ने गरिमा और समानता के सिद्धांत स्थापित किए हैं, जो संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र में शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर धार्मिक दक्षिणपंथ की शक्ति पिछले कुछ दशकों में बढ़ी है। मुफ्ती को इस्लाम की अवधारणाओं की गहन जानकारी भले ही हो, उनके लिए समकालीन समाज और लोकतांत्रिक संस्थाओं के मूल्यों के बारे में जानना भी जरूरी है।

(लेख का अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया द्वारा)

संपादकीय

असली मुद्दों की प्राथमिकता हो

उत्तराखंड में 2022 में हुई एक हत्या के विरोध में कई शहरों में फिर से प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। देहरादून में त्रिपुरा की छात्रा अंजेल चकमा की नस्लीय हमले में हुई हत्या को लेकर बेचैनी बनी हुई है। देहरादून एक शांत औपनिवेशिक काल की यादों से भरा शहर है, जो अब 25 साल पुराने राज्य की चकाचौंध भरी राजधानी बन चुका है। पिछले एक साल में छिटपुट विरोध प्रदर्शन हुए थे, जो अब 2022 में होटल मैनेजर पुलकित आर्य द्वारा 19 वर्षीय होटल कर्मचारी अंकिता भंडारी की हत्या के विरोध में फिर से भड़क उठे हैं। अंकिता ने कथित तौर पर भाजपा से जुड़े एक 'वीआईपी' मेहमान को 'यौन सेवाएं' देने से इनकार कर दिया था। पुलकित को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। लेकिन उत्तराखंड के निवासी और राजनीतिक विपक्ष राज्य सरकार द्वारा कथित 'वीआईपी' मेहमान को गिरफ्तार करने में विफलता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शनों में नौकरियों की कमी को लेकर भी दुख जताया जा रहा है, जिसके कारण अंकिता जैसे लोग असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए मजबूर हैं। उत्तराखंड में भारत की सबसे उच्च बेरोजगारी दर 8.9% है उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर अधिक नहीं है, इसलिए आक्रोश कोई आश्चर्य की बात नहीं है। पिछले 10 वर्षों से, उच्च शिक्षा में 18-23 आयु वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी अखिल भारतीय औसत के बराबर या उससे अधिक रही है। महिला स्वयं सहायता समूहों का विकास हुआ है, जिससे महिलाएं सशक्त हुई हैं, लेकिन पुरुषों का पलायन, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से, अभी भी अधिक है। फिर भी, राज्य के 'भूतिया गाँव' केवल आर्थिक पलायन का परिणाम नहीं हैं। वनों की कटाई और पर्यटन अवसंरचना का विस्तार ने उत्तराखंड को असुरक्षा की स्थिति में धकेल दिया है, जिससे यह चरम मौसम के प्रभावों के प्रति संवेदनशील हो गया है। नीति के 2023 के अनुमानों के अनुसार राज्य की 64% आबादी : ग्रामीण उत्तराखंड से भारी संख्या में संकटग्रस्त पलायन, । यही कारण है कि वित्त आयोगों ने आपदा प्रबंधन कोष में राज्य की हिस्सेदारी 1.9% (14वें वित्त आयोग) से बढ़ाकर 4.2% (15वें वित्त आयोग) कर दी है। इस बीच, उत्तराखंड उच्च न्यायालय मसूरी डिवीजन के वन अधिकारियों की संपत्ति में कथित वृद्धि से जुड़े 7,375 लापता वन सीमा स्तंभों के मामले की सुनवाई कर रहा है - इस स्थिति को देखते हुए, अंकिता के नाम पर हो रहे विरोध प्रदर्शन व्यर्थ नहीं हैं। ये उन अनेक चुनौतियों का परिणाम हैं जिनका सामना आमतौर पर शांत स्वभाव वाले स्थानीय लोग कर रहे हैं। फिर भी, सरकार की प्राथमिकताएँ कुछ और ही हैं झ्र वह धीरे-धीरे सामाजिक नियंत्रण के लिए कानून बना रही है। ऐसा ही एक कानून यूसीसी था जिसमें कम से कम एक ऐसा प्रावधान शामिल था जिसे लागू करना असंभव था झ्र लिव-इन कपल्स का अनिवार्य 'पंजीकरण'। हरिद्वार के 105 घाटों से गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का उसका नवीनतम प्रस्ताव स्पष्ट रूप से असंवैधानिक है सार्वजनिक स्थान सभी के लिए हैं। ये जन प्रदर्शन केवल अंकिता के लिए नहीं हैं।

उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता साहस

विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र में पत्रकारिता भय के नहीं, सत्य के प्रति उत्तरदायी होती है। सत्य को समाज के सामने रखना और सत्य के पक्ष में खड़ा होते हुए दिखना पत्रकारिता का धर्म है। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है। यह विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण-तत्व है। देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में पीने के दूषित पानी के कारण चौदह लोग मारे गये और दो सौ से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। मरने वालों और बीमार होने वालों की यह संख्या एक आंकड़ा मात्र नहीं है, यह हमारी समूची व्यवस्था पर लगा एक सवालिया निशान है, जिसका उत्तर देना त्रासदी से जुड़े सभी व्यक्तियों, जिनमें उच्च अधिकारी और संबंधित मंत्री शामिल हैं, का दायित्व है। प्रशासन और संबंधित मंत्री महोदय ने पीड़ितों की सहायता और स्थिति को सुधारने का आश्वासन दिया है। मामला गंभीर है और अपनी तरह का पहला कांड भी नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह की आपराधिक लापरवाही के उदाहरण अक्सर मिलते रहते हैं। इस मामले में राज्य के संबंधित मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपना 'अपराध' भी स्वीकार किया है और खेद भी व्यक्त किया है। अब मामले की जांच होगी, कुछ कार्रवाई भी होगी। और फिर इसे भी पहले की ऐसी वारदातों की तरह भुला दिया जायेगा, आवश्यकता भूल जाने की इस प्रवृत्ति से निपटने की है। यह याद रखा जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्तियों-विभागों की लापरवाही के कारण इतना गंभीर कांड हो गया, जो किसी भी दृष्टि से क्षम्य नहीं है।

लेकिन इस त्रासदी के साथ जुड़े दो पक्ष और भी हैं, जिन्हें याद रखा जाना चाहिएझ्र पहले तो यह कि इस कांड के दौरान देश ने अपने एक बड़े माने जाने वाले नेता की उथली सोच और व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत किया है और दूसरा पक्ष उस एक पत्रकार के व्यवहार वाला है, जिसने मंत्री महोदय के घटिया उद्गारों का तत्काल विरोध किया। जहां अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री, क्षमा मांगने के

बावजूद लोक-मर्यादा के कटघरे में खड़े हैं, वहीं उस पत्रकार की सब प्रशंसा कर रहे हैं, जिसने पूरी गंभीरता और साहस के साथ मंत्री महोदय को यह जता दिया कि उनका व्यवहार अशोभनीय ही नहीं, शर्मनाक भी था। यह बात क्षमा मांग कर रफा-दफा करने की नहीं है, अपना आपा खोने वाले ऐसे मंत्री को इतने ज़िम्मेदार पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन प्रशंसा उस पत्रकार की होनी चाहिए, जिसने इस कांड में पूरे साहस और निर्भीकता के साथ मंत्री महोदय को उनकी औकात दिखाई। घटना के वीडियो वायरल हो जाने वाले इस समय में कोई यह कहकर बच नहीं सकता कि उसने ऐसा नहीं कहा था अथवा उसे ग़लत उद्धृत किया जा रहा है। सब कुछ सबके सामने आ जाता है। इंदौर के इस कांड में स्पष्ट दिख रहा है कि मंत्री जी ने पत्रकार के वाजिब और ज़रूरी सवाल को सिर्फ 'फोकट' का प्रश्न ही नहीं बताया बल्कि ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया जो सभ्य समाज में अभद्र माना जाता है। लेकिन इस मामले में प्रशंसनीय बात पत्रकार अनुराग द्वारी का साहस है जो उन्होंने मंत्री महोदय के सामने प्रकट किया। प्रशंसनीय इसलिए कि हमारे आज के दौर में किसी पत्रकार का इस तरह का साहस दिखाना अपने आप में एक समाचार है। कारण कुछ भी रहे हों, लेकिन हकीकत यही है कि हमारी आज की पत्रकारिता पर सत्ता के समक्ष झुकने के आरोप आये दिन लग रहे हैं और इसके उदाहरण भी अक्सर मिलते रहते हैं। यही नहीं, मीडिया के एक बहुत बड़े हिस्से की तो पहचान ही 'गोदी मीडिया' वाली हो गयी हैझ्रगोदी मीडिया यानी सत्ता के समक्ष नतमस्तक पत्रकारिता। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तो यह प्रवृत्ति अखबारों से कहीं ज्यादा ही दिख रही है। अपवाद अवश्य हैं, पर इनसे तो नियम ही सिद्ध होते हैं। ऐसे में अनुराग द्वारी जैसे पत्रकार का इस तरह साहस दिखाना सुखद आश्चर्य ही देता है। यह अपने आप में एक विडंबना ही है कि जो साहस और स्पष्टवादिता पत्रकारिता का आवश्यक गुण माना जाता था, वह आज की पत्रकारिता में खोजे नहीं मिलता। एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार अनुराग द्वारी ने इस गुण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्थिति की विकटता का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि कभी साहसी और निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रतीक माना जाना वाला समाचार चैनल अपने ही इस साहसी पत्रकारिता के उदाहरण को उचित महत्व नहीं दे पाया। 'उचित महत्व न दे पाया' कहना इसलिए ज़रूरी है कि यह मानना सही नहीं होगा कि चैनल एनडीटीवी वाले इस 'साहस' को जानते या समझते नहीं हैं। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारे अधिकांश समाचार चैनल व्यावसायिक और सत्ताधारी दबावों में काम करते दिख रहे हैं। हमारी पत्रकारिता की शोचनीय स्थिति है यह। अनायास ही आपातकाल के वे दिन याद आ रहे हैं जब 'झुकने के लिए कहे जाने वाली पत्रकारिता रेंगने लगी थी' आपातकाल के दौरान अधिकांश मीडिया संस्थानों ने सत्ता के समक्ष जैसे आत्मसमर्पण कर दिया था, वह हमारे लोकतंत्र और हमारी पत्रकारिता दोनों के इतिहास के काले पन्नों वाला काल था। यह एक दुर्भाग्य ही है कि आज के इस 'गोदी मीडिया' वाले काल की पत्रकारिता कुछ इसी तरह के संकेत दे रही है। ऐसे में किसी अनुराग द्वारी का दिखाया गया साहस उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता है। जुगनू सूरज नहीं हो सकता, पर इस बात की उम्मीद तो जगाता है कि हर अंधेरे को चुनौती दी जा सकती है। चुनौती दी जानी चाहिए। अनुराग द्वारी ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री को बड़े साहस और स्पष्टता के साथ समझा दिया था कि कुछ भी कहने और करने के सत्ता के भ्रम को तोड़ा जा सकता है। सत्ता चाहे राजनीतिक हो या फिर आर्थिक, सच्ची पत्रकारिता उसके सामने झुकेगी तो अपने दायित्व से च्युत ही होगी। जनतंत्र में पत्रकारिता भय के नहीं, सत्य के प्रति उत्तरदायी होती है। सत्य को समाज के सामने रखना और सत्य के पक्ष में खड़ा होते हुए दिखना पत्रकारिता का धर्म है। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है। यह विश्वसनीयता पत्रकारिता का प्राण-तत्व है। इस विश्वसनीयता को बनाये रखना, और इसके लिए संघर्ष करना पत्रकारिता का दायित्व भी है और सच्ची और अच्छी पत्रकारिता की पहचान भी। लेकिन यह तभी संभव है जब पत्रकारिता भय और दबाव से मुक्त हो। अनुराग द्वारी ने सत्ता के मद में चूर एक राजनेता को उसकी हैसियत बतायी है। इसके लिए प्रशंसा के पात्र हैं वे। इस बात की आशंका बनी रहेगी कि सत्ता इस तरह की पत्रकारिता को कुचलने की कोशिश कर सकती है। बहुत ताकत होती है सत्ता में। पर ऐसी किसी ताकत के समक्ष न झुकना ही सच्ची पत्रकारिता को पहचान देता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

हजारीबाग की बेटी रंजना के जज्बे को सलाम

विजय केसरी

झारखंड प्रांत के हजारीबाग जिले की बेटी रंजना ने जीवन की हर दुश्वारियों और चुनौतियां का सामना कर आखिरकार सीमा सुरक्षा बल की एक जवान बनकर अपनी मंजिल तक पहुंची ही गई। अब वह टाटी झरिया प्रखंड के अमनारी गांव की पगडंडियों से निकलकर राजस्थान की तप्ती जमीं पर एक सीमा सुरक्षा बल की प्रहरी के रूप में देश की सीमा की रक्षा करने जा रही है। रंजन की यह संघर्ष यात्रा और सफलता की कहानी सकल समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने अपने जुझारू संघर्ष से कविता की इन पंक्तियों को सार्थक कर दी कि वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो, सामने पहाड़ हो, सिंह की दहाड़ हो, वीर तुम बढ़े चलो। रंजना ने मात्र नौ साल की उम्र में अपने पिता मनोज कुमार कुशवाहा को खो दिया था। उनके पिता की निर्मम हत्या कर दी गई थी। उसने अपनी मां और और बहनों को भी लगाते हुए देखा था। रंजना भी पिता के हमेशा हमेशा के लिए चले जाने पर बहुत रोई थी। ? लेकिन होनी को कौन टाल ल सकता है ? अब तो उसके पिता की हत्या हो गई थी। उनके पिता अब कभी वापस आने वाले नहीं थे। मां, नूतन देवी आंगनबाड़ी की सहायिका के रूप में कार्य कर रही थी।? उसके कंधों पर घर की पूरी जवाबदेही आ गई थी। तीनों बच्चियां छोटी थी।? लेकिन इस विषम परिस्थिति में रंजना की मां ने हिम्मत से काम लिया।?और उसने अपने पति के संकल्प को आगे बढ़ते हुए पूरी निष्ठा के साथ परिवार का बोझ उठाने का कमर कस ली थी। अपनी माता श्री के संकल्प को जमीन पर उतरने के लिए तीनों बेटियां मां के कार्यों में पूरी निष्ठा के साथ? जुड़ गईं। तीनों बेटियों ने मां को कभी यह एहसास नहीं होने दिया कि उनकी बेटियां किसी भी मायने में बेटों से कमतर नहीं है। मां की इस संघर्ष यात्रा में तीनों बेटियों ने जिस तरह से अपनी भूमिका अदा की हैं, निश्चित तौर पर अनुकरणीय है। नूतन देवी की तीनों बेटियां बचपन से ही पढ़ने में मेघावी रही हैं। तीनों अनुशासन प्रिय और बड़ों का सम्मान करती आई हैं। यही कारण है कि आज तीनों बेटियां अपने-अपने मुकाम पर धीरे-धीरे कर पहुंचती चली जा रही हैं।? तीनों बेटियों ने आज तक कोई ऐसा काम नहीं किया, जिससे कि उनकी मां को कोई परेशानी हो बल्कि हर संभव मदद ही करती रही हैं। यही कारण है कि आज पूरा अमनारी गांव इन तीनों बेटियों का नाम लेते नहीं थकते हैं। ग्राम वासी उन तीनों बेटियों के बढ़ते कदम से बहुत ही उत्साहित हैं। वे सभी अपने-अपने बच्चों को संजना, रंजना और अंजलि जैसे बनने का उदाहरण देते हैं। रंजना के सर से जब साया छिन गया था, तब उसकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। उसे बहुत दुनिया की समझ नहीं थी। फिर भी उसने इस उम्र में यह संकल्प ले लिया था कि वह कभी भी अपनी मां के लिए दुःख कारण नहीं बनेगी बल्कि मां के झंझावातों में पूरा सहयोग करेगी। रंजना बचपन से ही तेज तर्रार और दौड़ने धूफने वाली एक बालिका रहीं हैं। एक साहसिक बालिका भी रही हैं। वह गांव की अन्य बच्चियों से थोड़ा हटकर थीं। वह बचपन से ही अनुशासन प्रिय रहीं।? वह कम बोलती जरूर है, पर समय पर हुंकार लगाने से चुकती भी नहीं है। वह बचपन से ही झूठ का प्रतिकार करती रही हैं। यह स्वभाव आज भी उसका उसी तरह बना हुआ है। वह जैसे-जैसे आगे की कक्षा में बढ़ते गईं, उसकी समझ उस रूप में विकसित होने लगी। उसने उसी उम्र में यह मन बना लिया कि वह देश के लिए कुछ अलग करेगी। लेकिन उसे यह समझ में नहीं आ रही थी कि उसे पढ़ लिखकर क्या बनना है? क्या करना है? वह बराबर अपने से बड़े परिवार के सदस्यों और शिक्षकों से यह बात जरूर पूछा करती थी कि पढ़कर क्या बनूं? इस सवाल पूछने के क्रम में उसे कई तरह के सुझाव मिलते रहे थे। वह इन सुझावों को बहुत ही गंभीरता के साथ सुना करती थी। इन सुझावों पर मनन भी किया करती रही थी। ? इसके ही वह बहुत ही मेहनत लगाकर अपनी पढ़ाई जारी रख रही थी।? वह अपनी पढ़ाई पूरी करते हुए मां के काम में भी सहयोग किया करती थीं । मां को किसी भी तरह की परेशानी होने पर वह तन मन से सहयोग भी किया करती रही थीं ।कभी-कभी उनकी मां अपने पति की याद में रो पड़ती तो सहारा बनकर रंजना ढांढस बंधाने में लग जाती थी। रंजना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने ही गांव अमनारी के एक सरकारी मध्य विद्यालय से पूरी की थी।? उसने प्लस टू की शिक्षा बगल के गांव झरपो के एक उच्च विद्यालय से पूरी की थी।? वह सभी परीक्षाओं में अच्छे प्राप्तांक प्राप्त कर आगे बढ़ते रही हैं। फिलहाल वह विष्णुगढ़ डिग्री कॉलेज से इतिहास विषय लेकर स्नातक की परीक्षा देने वाली है। उम्मीद है कि वह इस परीक्षा में भी पूर्वकी तरह सफल रहेंगी। प्लस टू करने के बाद वह मन बना ली थी की देश की एक सिपाही बनेगी। इसीलिए उसने रांची में एसएससी द्वारा आयोजित बीएसएफ की परीक्षा दी थी।? इस परीक्षा में वह सफल हुई। इस परीक्षा में सफल होने के उपरांत उसने सिलीगुड़ी में कठिन सैन्य परीक्षित प्रशिक्षण पूरा किया अब। यह सैन्य प्रशिक्षण कोई मामूली प्रशिक्षण नहीं होता है।? यह सैन्य प्रशिक्षण भी एक चुनौती के रूप उसके सामने जरूर आया, लेकिन उसने अपने अदम्य साहस कौशल बुद्धिमता से पूर्ण कर बीएसएफ का एक सफल जवान बन चुकी हैं। रंजना के संबंध में यह लिखते हुए गर्व होता है कि उसकी पहली तैनाती राजस्थान में भारत - पाकिस्तान सीमा पर होने जा रही है। रंजना अपनी पहली तैनाती को लेकर बहुत ही खुश है। उसे गर्व हो रहा है कि भारत माता की एक बेटी के रूप में सीमा की सुरक्षा करने का उन्हें अवसर प्राप्त हो रहा है। रंजन बहुत छोटी उम्र से ही अपने परिवार का आर्थिक रूप से भी मदद करती चली आ रही हैं। जब वह सातवीं कक्षा भी पास नहीं कर पाई थीं कि वह गांव के बच्चों और बच्चियों को ट्यूशन पढ़ाकर कुछ पैसे जोड़ना शुरू कर दी थीं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, वि. बुच्ची बाबू, द्वारा तनमाई प्रिंटर्स, 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर, सैदाबाद हैदराबाद से मुद्रित," आकाश ज्योति " हिंदी दैनिक 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर के निकट यूनिक ग्रामर स्कूल, सैदाबाद, हैदराबाद-500059 (टी.एस) से प्रकाशित R.N.I. No. APHIN/2000/4452, मुख्य संपादक वि. बुच्चि बाबू Ph. No. 24075688, Fax : 91-040-24075688. E-Mail: info.southindiatimes@gmail.com. .Contact :9000657700.

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें ।सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोंइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु-विजयवाड़ा एक्सप्रेसवे पर 24 घंटे में 29 किमी सड़क बनी

विजयवाड़ा। NHAI ने आंध्र प्रदेश में बेंगलुरु-कड़पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर (NH-544G) पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू सोशल मीडिया X पर इसको लेकर पोस्ट किया। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया। यह प्रोजेक्ट भारतमाला फेज-2 के तहत शुरू हुआ था। इसमें ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों तरह की सड़कें बन रही हैं। इससे इस रूट पर सफर करने वालों को भीड़भाड़ वाले शहरों और पुराने हाईवे पर नहीं जाना होगा। एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 624 किलोमीटर है। इसमें ग्रीनफील्ड हिस्सा कोडिकोंडा से अडंकी/मुप्पावरम तक करीब 342 किमी का है। ब्राउनफील्ड में बेंगलुरु-कोडिकोंडा (73 किमी, एनएच-44 पर) और अडंकी-विजयवाड़ा (113 किमी, एनएच-16 पर) शामिल हैं। इसकी लागत 19,320 करोड़ रुपए है। यह सड़क गुंटूर, प्रकाशम, कुर्नूल और कड़पा जिलों से गुजरेगी। इससे अमरावती से बेंगलुरु की यात्रा 11-12 घंटे से घटकर 6 घंटे हो जाएगी। पैसेंजर और माल ढुलाई तेज होगी। भारतमाला परियोजना में ग्रीनफील्ड का मतलब है बिल्कुल नई जगह पर नई सड़क या इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना। इसमें पहले से कोई सड़क या ढांचा नहीं होता। खाली जमीन पर नया हाईवे बनाया जाता है। वहीं ब्राउनफील्ड का मतलब है पहले से बनी सड़कों या इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाना। इसमें पुरानी सड़क को चौड़ा करना या अपग्रेड करना शामिल है, जैसे 4 लेन सड़क को 6 लेन में बदलना।

एमपी में पारा 2.7 डिग्री, कोहरे से 12 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में सर्दी बढ़ गई है। मध्य प्रदेश के शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री दर्ज किया गया। कोहरे के चलते दिल्ली से MP आने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रोजाना 2 से 6 घंटे लेट हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में कोहरे की वजह से गुरुवार सुबह 6 हादसे हुए। इनमें 14 गाड़ियां टकराईं और 7 लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि इसमें 8 लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज जारी है। उधर, राजस्थान के 4 शहरों का न्यूनतम तापमान बुधवार को 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। गुरुवार को 23 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। उत्तराखंड के 3 शहरों का तापमान -21°C दर्ज किया गया है। इनमें पिथौरागढ़ का आदि कैलाश, रुद्रप्रयाग का केदारनाथ और उत्तरकाशी का यमुनोत्री धाम शामिल है। उधर उत्तर प्रदेश में वाराणसी-मेरठ और झांसी समेत 38 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट है। लखनऊ-कानपुर समेत 26 जिलों में कोल्ड डे रहेगा।

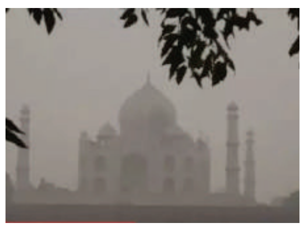

तेलंगाना में कार डिवाइडर से टकराई, 4 छात्रों की मौत

तेलंगाना। तेलंगाना में बुधवार देर रात हुए हादसे में 4 छात्रों की मौत हो गई। हादसे में कार पूरी तरह से पिचक गई। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला इलाके में बधुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में ICFAI बिजनस स्कूल के चार छात्रों की मौत हो गई। हादसे में एक छात्रा घायल है। इसकी हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पेड़ में घुस गई। पुलिस ने बताया का हादसा रात करीब 1:30 बजे मोकीला थाना क्षेत्र में हुआ। सभी छात्र दोस्त की जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। स्पीड ज्यादा तेज होने के कारण ड्राइवर ने कार से कंट्रोल खो दिया। पुलिस ने बताया कि सभी मृतकों और घायल की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम कारगयाला सुमित (20), निखिल (20), देवाला सूर्या तेजा (20) और बलमूरी रोहित (18) हैं। घायल छात्रा का नाम सुंकारी नक्शत्रा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को तुरंत अस्पताल भेज दिया गया जिसका इलाज जारी है।

जज केस कांड, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया। उन्हें 12 जनवरी को संसदीय समिति के सामने जवाब देना है। दरअसल, जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी, जो उनके अनुसार गलत है। एक दिन पहले, 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए। 14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे। इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा (जस्टिस वर्मा की ओर से)- सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति उनके काम कर सकते हैं, लेकिन जजेज इंक्वायरी एक्ट के तहत सभापति को जो अधिकार मिले हैं, उन्हें उपसभापति इस्तेमाल नहीं कर सकते।

दिल्ली में पत्थरबाजी मामला- सपा सांसद से पूछताछ करेगी पुलिस

नई दिल्ली। मोहिबुल्लाह नदवी यूपी के रामपुर संसदीय क्षेत्र से सपा सांसद हैं। पुलिस का कहना है कि नदवी घटना वाली रात मस्जिद के पास मौजूद थे। दिल्ली में 6 जनवरी की रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी को लेकर सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों के बार-बार कहने के बावजूद नदवी घटनास्थल से नहीं गए और आसपास मौजूद रहे। पुलिस ने पत्थरबाजी की घटना पर CCTV कैमरा फुटेज के आधार पर 30 लोगों की पहचान की है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपियों को हिरासत में लेने के लिए छापेमारी कर रही हैं। दरअसल पूरा मामला फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने से जुड़ा है। पुलिस की टीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अतिक्रमण हटाने गई थी। इस बीच कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि मस्जिद गिराई जाएगी। जिससे हिंसा भड़की। पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके गए, 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सपा नेता एस टी हसन ने कहा कि यहां 100 साल पुरानी मस्जिद और दुकानें हैं।

अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर निकलेगा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

◆ इसमें यूएन की 31 एजेंसी शामिल, भारत की पहल से बना सोलर अलायंस भी छोड़ेगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को आधिकारिक रूप से बाहर निकालने की घोषणा की है। द गार्डियन के मुताबिक इसमें 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र (Non-UN) संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं शामिल हैं। व्हाइट हाउस और स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार ये संगठन अमेरिकी हितों के खिलाफ हैं। इनमें पैसों की बर्बादी होती है। इसके अलावा ये गैरजरूरी या खराब तरीके से चलाए जा रहे हैं। इस कदम को ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का हिस्सा बताया जा रहा है, जो वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाने पर जोर देती है। अमेरिका भारत की पहल से बने संगठन इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) को भी छोड़ रहा है। इसे 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन फ्रेंच राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने पेरिस जलवायु सम्मेलन में शुरू किया था।

भारत-फ्रांस की अध्यक्षता से बना था सोलर अलायंसः इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) को सोलर एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। यह दुनिया भर के देशों को सौर ऊर्जा इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसका मकसद 2030 तक सोलर एनर्जी में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश जुटाना है। भारत इसका अध्यक्ष देश और फ्रांस सह-अध्यक्ष है। इसका हैडक्वार्टर हरियाणा के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी कैंपस स्थित है। फिलहाल इसके 120 से अधिक देश सदस्य हैं। अमेरिका ISA में नवंबर 2021 में जुड़ा था। अमेरिका ने ISA के फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए और यह 101वां सदस्य देश बना। अब अमेरिका ने ISA छोड़ने का ऐलान किया है।

UN कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज से अलग होगा अमेरिकाः इस फैसले की सबसे बड़ी बात है, अमेरिका का संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) से बाहर होना। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक UNFCCC 1992 का समझौता है, जो दुनिया के लगभग सभी देशों को जोड़ता है और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करता है। यह पेरिस जलवायु समझौते के लिए भी अहम है, जिससे ट्रम्प पहले ही अमेरिका को बाहर करने की बात कह चुके हैं। ट्रम्प ने नवंबर 2025 में ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा था। इसके अलावा, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) जैसी महत्वपूर्ण जलवायु संस्थाओं से भी अमेरिका अलग हो रहा है। सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी की जीन सू ने कहा कि इस गैरकानूनी कदम से अमेरिका हमेशा के लिए जलवायु कूटनीति से बाहर हो सकता है।

22 जनवरी से WHO का मेंबर नहीं रहेगा अमेरिकाः इससे पहले ट्रम्प ने जनवरी 2025 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से बाहर निकलने की घोषणा की थी। WHO की सदस्यता से बाहर निकलने के लिए एक साल का नोटिस पीरियड जरूरी होता है। 22 जनवरी के बाद अमेरिका WHO का सदस्य नहीं रहेगा।

ईरान में चलती गाड़ी से पुलिसकर्मी को गोली मारी, मौत

दो दिन में दूसरे पुलिस अफसर की हत्या, देश भर में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन जारी

एजेंसी, तेहरान

ईरान में आर्थिक संकट को लेकर चल रहे देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बीच बुधवार को एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। यह घटना ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में हुई। वीडियो में एक अज्ञात हमलावर चलती गाड़ी से बाहर झुककर लगातार फायरिंग करता है। वीडियो में सिर्फ बंदूक का सिरा दिखाई देता है। गोलियां लगने के बाद पुलिस की गाड़ी सड़क से उतरकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है। मारे गए पुलिस अधिकारी की पहचान महमूद हकीकत के रूप में हुई है। यह पिछले दो दिनों में ईरान में मारे गए दूसरे पुलिसकर्मी की घटना है। इससे पहले मंगलवार को एहसान अगाजानी नाम के एक पुलिस अधिकारी की पश्चिमी ईरान के इलाम प्रांत में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे मालेकशाही इलाके में झड़पों के दौरान घायल हुए थे और बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

ईरान में बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन जारीः ईरान में पिछले महीने से सरकार के खिलाफ तेज विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह पिछले तीन सालों में सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा आंदोलन माना जा रहा है। विरोध की शुरुआत तब हुई जब तेहरान के ऐतिहासिक ग्रैंड बाजार के दुकानदारों ने गिरती मुद्रा (रियाल) के विरोध में दुकानें बंद कर दीं। इसके बाद यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया। लोग आर्थिक बदहाली, सरकारी कुप्रबंधन, पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनीतिक व सामाजिक आजादी पर पाबंदियों के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा है कि अगर ईरानी सुरक्षा बल उन्हें मारते हैं तो अमेरिका उनके साथ खड़ा होगा। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है। हालांकि, ईरान के मुख्य न्यायाधीश गोलामहुसैन मोहसनी एजई ने चेतावनी दी है कि इस्लामिक रिपब्लिक के दुश्मनों की मदद करने वालों के खिलाफ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

भारत पर 500% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद में बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है। बिल का नाम 'सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025' है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लड़ने में मदद मिल रही है।

क्या है संक्शनिंग रशिया एक्ट (SRA) 2025? इस एक्ट के तहत रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर्स को निशाना बनाया गया है। इसमें रूसी तेल-गैस कंपनियों, बड़े बैंकों, डिफेंस इंडस्ट्री और उनसे जुड़े ग्लोबल नेटवर्क पर सख्त पाबंदियों का प्रस्ताव है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-कुत्ते इंसानी डर पहचानते हैं, इसलिए काटते हैं, वकील बोले- देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर

हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने कहा- अपना सिर मत हिलाइए, ये बात में पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुत्ते हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा- तो क्या बिल्लियां ले आएं? इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए। याचिकाकर्ता के एक वकील ने कहा हर पालतू कुत्ते का मालिक होता है। जबकि आवारा कुत्ते का कोई मालिक नहीं होता। न ही यह राज्य की जिम्मेदारी है। हालांकि राज्य का काम वैक्सीनेशन वगैरह देना है। ABC नियम ऐसे होने चाहिए कि मेरे घर तक का रास्ता सुरक्षित रहे। वकील (कुत्तों को हटाने के पक्ष में) ने कहा कि अदालत का आदेश सिर्फ संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि उसे रिहायशी इलाकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। कुत्ते को समझाना (काउंसलिंग) संभव नहीं है, लेकिन कुत्ते की देखभाल करने वाले या मालिक को समझाया जा सकता है। हर डॉग लवर और एनजीओ को याचिका लगाने में एक तय राशि जमा करनी होती है। इस शर्त को हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने हल्के अंदाज में जवाब दिया- अगर हमने यह शर्त नहीं रखी होती, तो यहां पंडाल लगाना पड़ता। कुत्तों की मॉनिटरिंग के लिए पहले उनकी गिनती जरूरी है जो आखिरी बार 2009 में हुई थी। सिर्फ दिल्ली में 5,60,000 कुत्ते थे। सेंटर्स की हाउसिंग कैपेसिटी के हिसाब से ही तय संख्या में जानवरों को पकड़ा जाना चाहिए। कैपेसिटी है ही नहीं, तो आप उन्हें कहां रखेंगे? एक वकील (कुत्तों को न हटाने के फेवर में) ने कहा- दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। अगर कुत्तों को अचानक हटा दिया जाएगा तो चूहों की आबादी बढ़ जाएगी। वे बीमारी फैलाने वाले होते हैं। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं। इस पर जस्टिस मेहता ने कहा- यह कैसा संबंध है? ऐसे तो कुत्ते और बिल्लियां आपस में दुश्मन होते हैं।

जनगणना 2027-पहला फेज 1 अप्रैल से सितंबर के बीच होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरों की लिस्टिंग और डेटा जुटाएंगे, ये काम 30 दिन में पूरा होगा

केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरुआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। MHA ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगीः सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप Android और iOS दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं।

1. आपदा में सटीक राहत- जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदा के समय उपयोगी साबित होगा। सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं। होटलों में क्षमता के हिसाब से कितने लोग रहे होंगे। इस ब्योरे से बचाव के लिए जरूरी तमाम नौका, हेलिकॉप्टर, फूड पैकेट आदि की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

2. परिसीमन में मदद मिलेगी- राजनीतिक सीमाएं जैसे संसदीय या विधानसभा क्षेत्रों का युक्तिसंगत तरीके से निर्धारण करने में भी इससे मदद मिलेगी। जियो टैगिंग से तैयार मैप से यह तस्वीर साफ हो जाएगी कि क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का संतुलित बंटवारा कैसे हो। समुदायों को ऐसे न बांट दिया जाए कि एक मोहल्ला एक क्षेत्र में और दूसरा मोहल्ला किसी अन्य क्षेत्र में शामिल हो जाए। घरों के डिजी डॉट से डिलिमिटेशन की प्रक्रिया में आसानी होगी।

टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर ईडी के छापे

◆ कार्रवाई के बीच ममता फाइल उठाकर निकलीं, कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे

एजेंसी, कोलकाता

एन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट (ED) ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म I-PAC के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। पश्चिम बंगाल में कोलकाता समेत 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता में चल रही छापेमारी के दौरान घर पर ही मौजूद रहे। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे I-PAC के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ED ने कहा- कुछ संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने दस्तावेज छीने ED ने कहा कि कोलकाता में I-PAC कार्यालय पर छापे पूरी तरह सबूतों के आधार पर किए जा रहे हैं।

बांग्लादेश को जेएफ-17 फाइटर जेट बेचने की तैयारी में पाकिस्तान

एजेंसी, ढाका

◆ दोनों देशों के एयरफोर्स चीफ ने बातचीत की, चीन की मदद से बनाया था विमान

पाकिस्तान बांग्लादेश को JF-17 थंडर फाइटर जेट बेचने की तैयारी में है। इसको लेकर दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हुई है। पाकिस्तानी सेना ने इसकी पुष्टि की है। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार के मुताबिक पाकिस्तान एयरफोर्स प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिधु और बांग्लादेश वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान के बीच बैठक हुई। इसमें JF-17 थंडर लड़ाकू विमानों की संभावित बिक्री और रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। JF-17 थंडर एक मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जिसे पाकिस्तान ने चीन के साथ मिलकर विकसित किया है। यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन पर हमला करने में सक्षम माना जाता है और पाकिस्तान वायुसेना में पहले से सेवा में है।

बांग्लादेश को ट्रेनर विमान भी देगा पाकिस्तानः रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 'सुपर मुश्शक' ट्रेनर विमान की फास्ट-ट्रैक डिलीवरी का भरोसा भी दिया है। इसके साथ पायलट ट्रेनिंग और लॉन्ग-टर्म सपोर्ट सिस्टम उपलब्ध कराने की बात कही गई है। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा चल रही है।

भारत के सत्य साईं वेनेजुएला में घर-घर मशहूर कैसे हुए, राष्ट्रपति मादुरो भी भक्त थे

एजेंसी,काराकस

◆ बाबा के निधन पर देश में राजकीय शोक था

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदालत में दिखे इस व्यवहार के पीछे मादुरो की आध्यात्मिक आस्था है, जो रोमन कैथोलिक चर्च से नहीं, बल्कि भारत के एक ऐसे गुरु से जुड़ी है जिन्हें करोड़ों लोग 'चमत्कारों का पुरुष' मानते हैं। मादुरो का जन्म एक कैथोलिक परिवार में हुआ था और वेनेजुएला भी कैथोलिक बहुल देश है। इसके बावजूद मादुरो उन प्रमुख वेनेजुएलाई नेताओं में शामिल थे, जिन्हें दिवंगत भारतीय गुरु श्री सत्य साईं बाबा का भक्त बताया जाता है। मादुरो ही नहीं बल्कि उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज समेत कई हाई प्रोफाइल लोग सत्य साईं बाबा के भक्त हैं। यही वजह है कि भारत से 15 हजार किमी दूर वेनेजुएला में सत्य साईं बाबा मशहूर हैं।

मादुरो की पत्नी भी साईं बाबा की भक्तः मादुरो को सत्य साईं बाबा से जोड़ने में सबसे बड़ा रोल उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस का माना जाता है। सिलिया फ्लोरेस खुद एक वकील और नेता हैं और नेशनल असेंबली की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। वे मादुरो से शादी से पहले ही सत्य साईं बाबा की भक्त थीं। उन्हीं के जरिए मादुरो पहली बार बाबा के संपर्क में आए और धीरे-धीरे उनकी आस्था भी गहरी होती चली गई। साल 2005 में, जब सिलिया फ्लोरेस पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के लिए वकील के तौर पर काम कर रही थीं और मादुरो संसद के स्पीकर थे, तब दोनों भारत आए थे। इस यात्रा में वे आंध्र प्रदेश स्थित प्रशांति निलयम आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने सत्य साईं बाबा से मुलाकात की। उस समय की तस्वीरों में मादुरो और फ्लोरेस बाबा के सामने जमीन पर बैठे हुए दिखाई देते हैं।

मांजरेकर ने विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर उठाये सवाल

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिये था। उन्होंने संन्यास का फैसला हड़बड़ी में कर दिया जबकि उनके साथ के स्टार खिलाड़ी अभी खेल रहे हैं। मांजरेकर के अनुसार फैब फोर का हिस्सा रहे विराट के साथी इंग्लैंड के जो रूट, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ आज भी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। हाल ही में एशेज सीरीज़ के पांचवें टेस्ट में रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक जबकि स्मिथ ने 37वां टेस्ट शतक लगाया है। मांजरेकर के अनुसार विराट अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेल रहे हैं। आज के दौर में इसमें काफी कम मुकाबले होते हैं जिससे ये सबसे आसान दौर हैं। मांजरेकर ने सोशल मीडिया में कहा ," आजक जब रूट टेस्ट क्रिकेट में नई ऊँचाइयों को छू रहे हैं, तो मेरा ध्यान विराट की ओर जाता है। तब लगता है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट समय से पहले ही छोड़ दिया। संन्यास से पहले वह रनों के लिए संघर्ष कर रहे थे पर उन्होंने यह समझने का पूरा प्रयास नहीं किया कि रन किस कारण नहीं बन रहे थे। मांजरेकर ने कहा कि यह चर्चा फिर कभी हो सकती है कि विराट क्या बेहतर कर सकते थे पर मुझे सिर्फ इस बात का दुख है कि जो रूट, स्मिथ और विलियमसन जैसे खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं, वहीं विराट ने ये अवसर खो दिया। मांजरेकर ने यह भी कहा कि अगर विराट ने तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लिया होता, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होती। अगर विराट कोहली ने पूरी तरह क्रिकेट से संन्यास ले लिया होता, तो वह ठीक था पर उन्होंने केवल टेस्ट क्रिकेट छोड़ा और एकदिवसीय खेलना जारी रखा जो मुझे अजीब लगा।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

एजेंसी, सिडनी

स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है। मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला। इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। । इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुतुराज की उपेक्षा पर भड़के सदागोप्पन रमेश और रॉबिन उथप्पा

» नीतीश कुमार रेड्डी को शामिल करने पर उठाये सवाल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सदागोप्पन रमेश और रॉबिन उथप्पा ने बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की उपेक्षा सवाल उठाये हैं। रमेश ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी रुतुराज को राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए रुतुराज को शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश ने कहा कि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह रुतुराज को टीम में जगह मिलन चाहिये थी। इस पूर्व बल्लेबाज ने पांचवें तेज गेंदबाज को शामिल किये जाने पर भी हैरानी जतायी। रुतुराज ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी भी खेली थी। इसके बाद भी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। रमेश ने कहा कि नीतीश को टीम में बल्लेबाज या तेज गेंदबाज ऑलराउंडर किस लिए लिया गया है। ये भी अभी स्पष्ट नहीं है। ऐसे में उनकी जगह रुतुराज को टीम में शामिल किया जाना फायदेमंद रहता । वहीं रमेश के अलावा पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने भी रुतुराज को टीम से बाहर किए जाने पर हैरानी जताते हुए कहा कि ये समझना कठिन है कि पिछली सीरीज में रन बनाने के बाद भी किस कारण से इस बल्लेबाज को बाहर किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में जगह बनाये रखना आजकल काफी कठिन हो गया है जिससे खिलाड़ियों पर भी अतिरिक्त दबाव रहता है। उथप्पा ने सफलता पाने के लिए आवश्यक प्रयासों पर बल दिया, विशेषकर मुंबई, दिल्ली और पंजाब जैसे प्रमुख क्रिकेट केंद्रों से बाहर के खिलाड़ियों के लिए। उन्होंने उच्चतम स्तर पर जगह बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने, संघर्ष करने और दृढ़ रहने के महत्व पर बल दिया।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

गंभीर के समर्थन में उतरे हरभजन, बोले हर प्रारुप में अलग कोच की जरुरत नहीं

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर टीम के टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन के बाद से ही दबाव में है। इसके बाद भी टीम के लिए प्रारुप के अनुसार अलग-अलग कोच रखे जाने का उन्होंने विरोध किया है। वहीं दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मामले में गंभीर से सहमत हैं। हरभजन ने गंभीर का समर्थन करते हुए कहा कि अभी प्रारुपों के अनुसार अलग कोच की जरुरत नहीं है। हरभजन ने कहा, 'भारत का कोच बनना बहुत आसान काम नहीं है। कोच बनने के लिए आपको टीम के साथ पूरे साल सफर करना पड़ता है और आपको खेल में अपने को झौंक देना पड़ता है। कई सारी टीमों का चयन होता है और आपको मैच के परिणामों पर भी ध्यान देना होत है।' हरभजन ने कहा, हमारी परंपरा है कि जब टीम अच्छा खेल रही होती है तो सब शांत रहते हैं पर जैसे ही टीम खराब खेलने लगे, हम सभी कोच बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि भविष्य में अलग-अलग कोच की जरूरत पड़े पर अभी इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को धैर्य रखने की जरूरत है। अभी सफेद गेंद के लिए अलग और ला गेंद के लिए अलग कोच की जरूरत नहीं है। अगर आगे इसकी जरूरत पड़ी तो निश्चित तौर पर ऐसा किया जाएगा। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।' गंभीर के कार्यकाल में टीम इंडिया पहले न्यूजीलैंड और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैच घरेलू धरती पर हारी उससे भी उनके खिलाफ माहौल बना है हालांकि खेल में ऐसा होता रहता है। हरभजन से पहले आर अश्विन ने भी गंभीर का समर्थन करते हुए कहा था कि कोच सबकुछ नहीं कर सकता। मैदान में खिलाड़ियों को ही खेलना होता है।

संक्षिप्त

स्पैनिश सुपर कपः एथलेटिक क्लब को 5-0 से रौंदकर फाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

जेद्दा। एफसी बार्सिलोना ने स्पैनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में बुधवार देर रात एथलेटिक क्लब को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर फाइनल में शानदार प्रवेश किया। मुकाबला हाफटाइम तक ही लगभग खत्म हो चुका था, जब बार्सिलोना ने चार गोल की बढ़त बना ली थी। यह बार्सिलोना का लगातार चौथा स्पैनिश सुपर कप फाइनल है और कुल मिलाकर 28वां, जो इस टूर्नामेंट में उसके दबदबे को और मजबूत करता है। बार्सिलोना अब तक 15 बार सुपर कप खिताब जीत चुका है, जो किसी भी क्लब से ज्यादा है। मैच से पहले एथलेटिक क्लब के कप्तान इनाकी विलियम्स ने सुपर कप को सऊदी अरब में कराने के फैसले की आलोचना की थी। हालांकि, मैच की शुरुआत के पहले 10 मिनट में एथलेटिक ने कुछ आक्रामकता दिखाई, लेकिन इसके बाद टीम का फोकस बिखर गया और बार्सिलोना के तेज और लयबद्ध आक्रमण के सामने वह टिक नहीं सकी। बार्सिलोना ने 18वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल से खाता खोला। इससे पहले एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने फर्मिन लोपेज का शॉट बचाया था। एथलेटिक का दावा था कि शुरुआती गोल से पहले उनके खिलाड़ी एलेक्स बेरेंगुएर के साथ फाउल हुआ था, लेकिन इसके बाद आए गोलों की बौछार का उनके पास कोई जवाब नहीं था। 30वें मिनट में राफिन्हा के शानदार क्रॉस पर फर्मिन लोपेज ने गेंद को जाल में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके महज दो मिनट बाद फर्मिन ने रूनी बार्डघजी को बेहतरीन पास दिया, जिस पर उन्होंने तीसरा गोल दागा। 38वें मिनट में रूनी बार्डघजी ने इस बार राफिन्हा को मौका दिया और राफिन्हा ने ताकतवर शॉट के साथ अपना पहला गोल किया।

प्रीमियर लीगः मैनचेस्टर सिटी फिर ड्रॉ पर अटका, ब्राइटन ने की शानदार वापसी; सेमेन्यो ने बॉर्नमाउथ के लिए यादगार विदाई ली

एजेंसी, मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी को प्रीमियर लीग में लगातार तीसरे मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। बुधवार को घरेलू मैदान पर खेले गए मैच में सिटी और ब्राइटन एंड होव एल्बियन के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ। सिटी के लिए एरलिंग हालांड ने पेनल्टी से गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ में ब्राइटन के काओरु मितोमा ने बराबरी दिला दी। इस ड्रॉ के साथ सिटी 43 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से उसके पांच अंक पीछे है। आर्सेनल गुरुवार को लिवरपूल के खिलाफ खेलेगा। हालांड ने पहले हाफ के अंत से चार मिनट पहले पेनल्टी पर गोल कर सिटी को बढ़त दिलाई। यह उनके करियर का सिटी के लिए 150वां गोल था। जेरेमी डोकू को डिएगो गोमेज़ द्वारा फाउल किए जाने के बाद VAR समीक्षा में पेनल्टी का फैसला सही ठहराया गया। इस गोल के साथ हालांड ने तीन मैचों का गोल सूखा खत्म किया और इस सीजन में अपने 20 प्रीमियर लीग गोल पूरे किए। दूसरे हाफ की शुरुआत में सिटी बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंची, लेकिन बर्नार्डो सिल्वा का शॉट पोस्ट से टकरा गया। मैच के दौरान सिटी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा और ब्राइटन के मैक्सिम डी काइपर के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, जिसके बाद दोनों को पीला कार्ड दिखाया गया। 60वें मिनट में ब्राइटन ने बराबरी कर ली। मितोमा ने फ्लैंक से मिले पास को बॉक्स के किनारे नियंत्रित किया और शानदार लो शॉट लगाकर गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया। इसके बाद ब्राइटन ने मैच की रफ्तार पर नियंत्रण कर लिया और बढ़त लेने के करीब भी पहुंचा। मितोमा के शॉट ने एक बार फिर पोस्ट का सहारा लिया। अंतिम क्षणों में हालांड के पास मैच जिताने का सुनहरा मौका था, लेकिन ब्राइटन के गोलकीपर बार्ट वेरब्रुगन ने शानदार बचाव कर सिटी को जीत से वंचित कर दिया।

सेमेन्यो ने स्टाइल में किया साइन-ऑफ- एंटोइन सेमेन्यो ने अपना 26वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। उन्होंने स्टॉपेज टाइम में निर्णायक गोल दागकर बॉर्नमाउथ को टोटेनहम हॉटस्पर पर 3-2 से रोमांचक जीत दिलाई। यह मुकाबला लगभग तय तौर पर बॉर्नमाउथ के लिए सेमेन्यो का आखिरी मैच माना जा रहा है, क्योंकि उनके मैनचेस्टर सिटी जाने की संभावना है।

घाना के इस फॉरवर्ड ने दाएं पैर से घुमाकर लगाया गया शॉट टोटेनहम के गोलकीपर गुग्लिएल्मो विकारियो के पास से निकाल दिया। गोल के बाद मैदान में जश्न का माहौल देखने को मिला और सब्स्टीट्यूट होने पर उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन मिला। यह बॉर्नमाउथ के लिए प्रीमियर लीग में उनका 101 मैचों में 30वां गोल था।

बॉर्नमाउथ के खिलाड़ी मार्कस टैवर्नियर ने कहा,

"यह बिल्कुल फिल्मी पल था, और इससे बेहतर कोई हकदार नहीं हो सकता।"

कोच एंडोनी इराओला ने भी संकेत दिए कि सेमेन्यो क्लब छोड़ सकते हैं और उनकी जमकर तारीफ की। "उन्होंने आखिरी सेकंड तक टीम के लिए जो किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। फुटबॉल ने उन्हें एक खूबसूरत पल दिया," इराओला ने कहा।

इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ ने प्रीमियर लीग में 11 मैचों से चली आ रही बिना जीत की लकीर तोड़ दी। मैच में बॉर्नमाउथ ने शुरुआती गोल खाने के बाद शानदार वापसी की। मैथिस टेल के गोल से टोटेनहम ने बढ़त बनाई थी, लेकिन पहले हाफ तक एवैनिल्सन और जूनियर क्रूपी के गोल से मेजबान टीम आगे निकल गई। टोटेनहम की ओर से जोआओ पाल्हिन्हा ने ओवरहेड किक से शानदार गोल कर स्कोर बराबर किया, लेकिन अंत में सेमेन्यो ने बॉर्नमाउथ को जीत दिला दी। इस हार के बाद टोटेनहम मैनेजर थॉमस फ्रैंक पर दबाव और बढ़ गया है। टीम फिलहाल लीग तालिका में 14वें स्थान पर है।

सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में तमिलनाडु महिला टीम की जीत,क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, मैनचेस्टर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के पांचवें दिन गुरुवार को महिला वर्ग में तमिलनाडु की टीम ने अपना दबदबा दिखाया। एक तरफा रहे प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तमिलनाडु ने तेलंगाना को 3-0 से करारी शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। मैच की शुरुआत से ही तमिलनाडु की महिला खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया, जिसका तेलंगाना की टीम के पास कोई जवाब नहीं था। तमिलनाडु ने सीधे सेटों में यह मुकाबला अपने नाम किया। पूरे मैच के दौरान तमिलनाडु की सर्विस और स्मैश इतने सटीक थे कि तेलंगाना की टीम किसी भी सेट में 15 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। तीसरे सेट में तमिलनाडु ने महज 8 अंक देकर मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। इस जीत के साथ ही तमिलनाडु ने टूर्नामेंट के अगले दौर यानी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब उनकी नज़रें खिताब की ओर हैं, जहां उनका मुकाबला पूल की शीर्ष वरीयता प्राप्त टीमों से होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश ने गुजरात पर बनाई बढ़त- महिला वर्ग के एक अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने शानदार शुरुआत की है। गुजरात के खिलाफ खेलते हुए उत्तर प्रदेश की टीम ने मैच के पहले सेट में ही अपनी लय पकड़ ली और गुजरात को 25-16 के अंतर से करारी शिकस्त देते हुए 1-0 की बढ़त बना ली है। उत्तर प्रदेश की खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और सटीक स्मैश के दम पर गुजरात के डिफेंस को पस्त कर दिया। गुजरात को प्लेऑफ में हराकर उत्तर प्रदेश की टीम अगले चक्र में प्रवेश कर गई। महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश महिला टीम का मैच अगले चक्र में ओडिशा की टीम से सायंकाल खेला जायेगा। उधर, प्लेऑफ़ के पुरुष वर्ग में केरल ने छत्तीसगढ़ को 3-0(25-16,25-19,25-15) हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित, तजिंदरपाल तूर करेंगे नेतृत्व

एजेंसी, नई दिल्ली

पुरुष शॉटपुट के दो बार के एशियन इंडोर चैंपियन तजिंदरपाल सिंह तूर 12वीं एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता 6 से 8 फरवरी तक चीन के तिआनजिन में आयोजित होगी। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने गुरुवार को भारतीय दल की घोषणा की। टीम 3 फरवरी को चीन के लिए रवाना होगी। इस दल में उभरते हुए शॉटपुट खिलाड़ी समरदीप सिंह गिल को भी शामिल किया गया है। तजिंदरपाल तूर ने इससे पहले ईरान के तेहरान में आयोजित 11वीं एशियन इंडोर चैंपियनशिप में 19.72 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। पंजाब के 31 वर्षीय इस अनुभवी एथलीट का राष्ट्रीय आउटडोर रिकॉर्ड 21.77 मीटर है, जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में बनाया था। दो बार के एशियन गेम्स चैंपियन तूर 10वीं एशियन इंडोर चैंपियनशिप (नूर-सुल्तान, कजाकिस्तान) में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। लॉन्ग जंप के उभरते खिलाड़ी शहनवाज़ खान और अनुभवी ट्रिपल जंपर प्रवीण चिथ्रावेल भी इस चैंपियनशिप के जरिए अपने 2026 सीजन की शुरुआत करेंगे। पुरुष वर्ग में तेजस्विन शंकर (हेप्टाथलॉन) और मणिकांता होबलीधर (60 मीटर) भी प्रमुख नाम हैं। महिला वर्ग में देश की शीर्ष स्प्रिंटर्स नित्या गांधे और अभिनया राजाराजन 60 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी। मौमिता मंडल 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ-साथ लॉन्ग जंप में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। पिछली बार ईरान में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में भारत ने चार पदक जीते थे, जिसमें तीन स्वर्ण और एक रजत शामिल था। पुरुष शॉटपुट में तजिंदरपाल तूर, महिला बाधा दौड़ में ज्योति याराजी और हरमिलन बैंस ने स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि महिला 3000 मीटर में अंकिता ने रजत पदक दिलाया था।

भारतीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स टीम

पुरुषः- मणिकांता होबलीधर (60 मीटर), तेजस शिरसे (60 मीटर बाधा दौड़), जे आदर्श राम (हाई जंप), सीवी अनुराग, शहनवाज़ खान (लॉन्ग जंप), प्रवीण चिथ्रावेल (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल, तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉटपुट), तेजस्विन शंकर (हेप्टाथलॉन)

महिलाः- नित्या गांधे, अभिनया राजाराजन (60 मीटर), मौमिता मंडल, प्रज्ञन प्रसांति साहू (60 मीटर बाधा दौड़), पूजा (हाई जंप), एंसी सोजन, मौमिता मंडल (लॉन्ग जंप), योगिता (शॉटपुट), केए अनामिका (पेंटाथलॉन)

डब्ल्यूटीसी 2025-27 पॉइंट्स टेबल अपडेटः एशेज के बाद ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर मजबूत, इंग्लैंड 7वें स्थान पर

एजेंसी, नई दिल्ली

एशेज सीरीज के समापन के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका अपडेट हो गई है। पांच मैचों की एशेज सीरीज़ में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 4-1 से हराकर शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है, जबकि इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में सातवें पायदान पर संघर्ष करती नजर आ रही है। सिडनी में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। इसके साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज़ 4-1 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक खेले गए 8 मैचों में 7 जीत दर्ज की हैं, जबकि उसकी इकलौती हार बॉक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ आई थी। दूसरी ओर, इंग्लैंड का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मैचों में सिर्फ 3 जीत हासिल की हैं, जबकि उसे 6 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। स्लो ओवर-रेट के चलते इंग्लैंड के दो अंक भी काटे गए हैं।

आईसीसी डब्ल्यूटीसी 2025-27 अंक तालिका (एशेज के बाद)

1. ऑस्ट्रेलिया – मैचः 8, जीतः 7, हारः 1, ड्रॉः 0, अंकः 84, अंक प्रतिशतः 87.50
2. न्यूजीलैंड – मैचः 3, जीतः 2, हारः 0, ड्रॉः 1, अंकः 28, अंक प्रतिशतः 77.78
3. दक्षिण अफ्रीका – मैचः 4, जीतः 3, हारः 1, ड्रॉः 0, अंकः 36, अंक प्रतिशतः 75.00
4. श्रीलंका – मैचः 2, जीतः 1, हारः 0, ड्रॉः 1, अंकः 16, अंक प्रतिशतः 66.67
5. पाकिस्तान – मैचः 2, जीतः 1, हारः 1, ड्रॉः 0, अंकः 12, अंक प्रतिशतः 50.00
6. भारत – मैचः 9, जीतः 4, हारः 4, ड्रॉः 1, अंकः 52, अंक प्रतिशतः 48.12
7. इंग्लैंड – मैचः 10, जीतः 3, हारः 6, ड्रॉः 1, अंकः 38, अंक प्रतिशतः 31.67
8. बांग्लादेश – मैचः 2, जीतः 0, हारः 1, ड्रॉः 1, अंकः 4, अंक प्रतिशतः 16.67
9. वेस्टइंडीज – मैचः 8, जीतः 0, हारः 7, ड्रॉः 1, अंकः 4, अंक प्रतिशतः 4.17

नोटः स्लो ओवर-रेट के कारण इंग्लैंड के दो अंक काटे गए हैं।

डेजी शाह

के घर के पास लगी आग, भड़कीं एक्ट्रेस, बोलीं- ये कुछ 'बेवकूफ' लोगों की वजह से हुआ

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया पर एक चौंकाने वाला वीडियो शेयर किया. इस वीडियो में डेजी शाह ने मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में एक घर में आग लगने की घटना पर अपना गुस्सा जाहिर किया. ऐसा बताया जा रहा है कि ये आग एक चुनावी कैंपेन के दौरान पटाखे फोड़ने की वजह से लगी. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों में सिविक सेंस की कमी है.मंगलवार रात को डेजी शाह अपने पेट डॉग को टहला रही थीं, उसी दौरान उनके पास वाली बिल्डिंग में ये आग लगने की घटना हुई. इसका वीडियो एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया और पटाखे जलाने वाले लोगों के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार की कड़ी आलोचना की.

एक्ट्रेस ने बताई पूरी घटना

डेजी शाह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए काफी लंबा सा कैप्शन भी लिखा और जिनकी वजह से ये आग लगी, उन लोगों को भी क्रिटिसाइज किया. एक्ट्रेस ने वीडियो में ये भी बताया कि इस आग लगने के लिए जिम्मेदार लोग घटना के बाद मौके से भाग गए और यहां के लोकल लोगों को इस आग में जूझने के लिए छोड़ दिया. वीडियो में डेजी शाह कहती हुई नजर आईं, इलेक्शन की वजह से यहां लोग आए हुए हैं, रास्ते पर पटाखे फोड़ रहे हैं और इसकी वजह से यहां आग लग गई है.

पटाखे जलाने वालों पर भड़कीं डेजी

डेजी ने वीडियो के कैप्शन में इस घटना के लिए चुनाव प्रचार करने टीमों को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा, मेरा किसी भी राजनीतिक पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन जब आप अपने चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए टीमें हायर करते हैं, तो कृपया इस चीज का ध्यान रखें कि उनमें समझदारी हो.

पब्लिक सेफ्टी पर डेजी का गुस्सा

रिहायशी इमारतों के पास पटाखों के इस्तेमाल पर नाराजगी जताते हुए डेजी शाह ने कहा कि घरों के पास पटाखे फोड़ना सही नहीं है. उन्होंने लिखा, ये कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, ये कुछ बेवकूफ लोगों की वजह से हुआ है. जिम्मेदारी लो, अब बहुत हो गया है. उन्होंने लोगों पर पब्लिक सेफ्टी को लेकर लापरवाह होने का आरोप लगाया.

ऐश्वर्या राय

या अभिषेक बच्चन, दोनों में से कौन हैं ज्यादा पढ़ा-लिखा?

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक है. बच्चन परिवार के इस जोड़े ने अपने रिश्ते से हमेशा से ही सुर्खियां बटोरी हैं. शादी के बाद से दोनों का साथ 18 सालों का हो चुका है. इस बात में कोई दो राय नहीं कि एक्टिंग के मामले में ऐश्वर्या अपने पति अभिषेक से बहुत ज्यादा आगे हैं. वहीं वो रईसी के मामले में भी अभिषेक पर भारी पड़ती हैं. लेकिन, क्या आपको ये पता है कि आखिर पढ़ाई-लिखाई के मामले में कौन बाजी मारता है ?अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ से भी सुर्खियां बटोरते रहते हैं. दोनों के ही फैंस उनके बारे में कुछ न कुछ नया और अलग जानने के लिए एक्साइटेड रहते हैं. दोनों जब भी साथ नजर आते हैं तो अपने फैंस को कपल गोल्स देते हैं. आइए आज आपको बताते हैं कि आखिर ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ने कहां से और कहां तक पढ़ाई की है और इस मामले में कौन किससे आगे है ?

ऐश्वर्या राय एजुकेशन

52 साल की हो चुकीं ऐश्वर्या का जन्म 1 नवंबर 1973 को कर्नाटक के मैंगलोर में हुआ था. उनकी पढ़ाई मुंबई के आर्य विद्या मंदिर स्कूल से हुई है. आगे जाकर एक्ट्रेस ने जय हिंद कॉलेज से इंटर मीडिएट की पढ़ाई की थी. बताया जाता है कि कभी आर्किटेक्ट बनने का सपना देखने वाली ऐश्वर्या ने रचना संसद एकेडमी ऑफ आर्किटेक्चर में एडमिशन लिया था. हालांकि बाद में वो मॉडलिंग में आ गईं और फिर एक्ट्रेस बन गईं. उन्होंने आर्किटेक्ट की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी.

अभिषेक बच्चन एजुकेशन

अभिषेक बच्चन 51 साल के हैं. उनका जन्म 5 फरवरी 1976 को अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के घर मुंबई में हुआ था. अभिषेक की स्कूल की पढ़ाई मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल और दिल्ली के मॉडर्न स्कूल से हुई थी. फिर उन्होंने बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल में एडमिशन लिया था. आगे उन्होंने स्विट्जरलैंड में आइग्लॉन कॉलेज से पढ़ाई की. इसके बाद अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी से बिजनेस की पढ़ाई की. लेकिन, एक्टिंग के लिए उन्होंने बिजनेस की पढ़ाई छोड़ दी और फिर भारत वापस आ गए.

कार्तिक आर्यन की फिल्म का सीक्वल नहीं कर रहे वरुण धवन, बोले- बाद में फैसला करूंगा

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. इस समय वो फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं. वहीं कुछ वक्त से कहा जा रहा था कि वरुण रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'लुका छुपी' के सीक्वल में नजर आएंगे. जिसके बारे में अब उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है. उन्होंने अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर फैंस के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन किया. इस दौरान उनसे उनकी आने वाली फिल्मों को लेकर सवाल पूछे गए. एक फैन ने जब उनसे अगली फिल्मों के बारे में जानना चाहा, तो वरुण ने बहुत आसान शब्दों में जवाब दिया.वरुण ने लिखा, मैंने अभी कोई नई फिल्म साइन नहीं की है. मैं किसी भी फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं हूं. आगे क्या करना है, यह बाद में तय करूंगा. उनकी इस बात ने उन सभी खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि वरुण फिल्म 'लुका छुपी 2' में नजर आने वाले हैं.

'लुका छुपी 2' नहीं कर रहे हैं वरुण धवन

2019 में आई सुपरहिट फिल्म 'लुका छुपी' के सीक्वल की चर्चा काफी दिनों से है. इन खबरों में दावा किया गया था कि 'लुका छुपी 2' में वरुण धवन और शरवरी वाघ लीड रोल में होंगे. पहली फिल्म में कार्तिक आर्यन और कृति सेनन नजर आए थे और फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था.

खबरों के मुताबिक, 'लुका छुपी 2' के प्री-प्रोडक्शन की शुरुआत 2026 में होने वाली थी. ये भी कहा गया था कि फिल्म में 6 से 8 महीने की देरी हो चुकी है, जिसकी बड़ी वजह निर्देशक लक्ष्मण उतेकर का बिजी शेड्यूल बताया गया. हालांकि वरुण धवन के इस रिप्लाई के बाद ये साफ हो गया है कि उन्होंने ऐसी किसी भी फिल्म के लिए अभी तक हामी नहीं भरी है.

जल्द 'बॉर्डर 2' में आएंगे नजर

अगर वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वो सनी देओल के साथ फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे. जो 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में वरुण मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभाते नजर आएंगे. इस फिल्म में वरुण के साथ दिलजीत दोसांझ, सनी देओल, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा और मोना सिंह जैसे कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे. इसके अलावा वरुण धवन इस साल रिलीज होने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आएंगे.

6 नहीं 8 मंजिला होगा शाहरुख खान का 'मन्नत', क्यों मेन बंगले को नहीं छू रहे किंग खान?

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान का बंगला 'मन्नत' केवल एक घर नहीं, बल्कि मुंबई का एक बड़ा लैंडमार्क बन चुका है. बांद्रा के बैंडस्टैंड पर स्थित इस बंगले की एक झलक पाने के लिए दुनियाभर से फैंस आते हैं. अब मन्नत के बाहर खड़े होकर बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित होने वाले शाहरुख खान के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है. किंग खान का यह आशियाना अब और भी ऊंचा हो रहा है. जानकारी के मुताबिक, मन्नत के परिसर में स्थित 'मन्नत एनेक्स' बिल्डिंग में दो नए फ्लोर जोड़े जा रहे हैं. पहले ये बिल्डिंग 6 फ्लोर की थी, लेकिन अब नए कंस्ट्रक्शन के बाद यह 8 मंजिला हो जाएगी.

सूत्रों से मिली जानकरी के मुताबिक, मन्नत का जो मुख्य 'हेरिटेज बंगला' है (सफेद रंग का आइकॉनिक विला), उसे बिल्कुल भी नहीं छुआ जाएगा. चूंकि वह एक हेरिटेज स्ट्रक्चर है, इसलिए उसमें किसी भी तरह का बदलाव करने की अनुमति नहीं है. यही वजह है कि सारा विस्तार उसके ठीक पीछे बनी आधुनिक एनेक्स बिल्डिंग में किया जा रहा है. एनेक्स मतलब मेन स्ट्रक्चर यानी बंगले को छुए बिना वहीं पर अलग से रहने के लिए जगह तैयार करना.

लग्जरी की नई परिभाषा

मन्नत के इन दो नए फ्लोर में मामूली कमरे नहीं होंगे. बताया जा रहा है कि इस विस्तार से बंगले में कुल 6,630 स्क्वायर फीट की नई जगह जुड़ जाएगी. इन नए फ्लोर्स पर 'अल्ट्रा-लग्जरी' इंटीरियर का काम होगा, जिसमें लिविंग स्पेस एक औसत मुंबई 1 बीएचके फ्लैट से भी कहीं बड़े होंगे. माना जा रहा है कि पूरा काम इसी साल पूरा हो जाएगा.

गौरी खान ने दी है प्रस्ताव की अर्जी

इस बड़े प्रोजेक्ट की कमान खुद गौरी खान ने संभाली है. उन्होंने आर्किटेक्ट अमित जी. पवार के जरिए बीएमसी में इसका प्रस्ताव जमा किया था. और खबरों की मानें तो इस प्रोजेक्ट को बीएमसी की ओर से काफी तेजी से मंजूरी मिल गई है, जिसके बाद अब वहां कंस्ट्रक्शन जोरों पर चल रहा है.

फैंस के लिए क्या बदलेगा ?

आने वाले समय में जब आप बांद्रा बैंडस्टैंड जाएंगे, तो आपको मन्नत के पीछे की इमारत पहले से थोड़ी ऊंची और भव्य नजर आएगी. शाहरुख खान अक्सर मन्नत के गेट के ऊपर बने प्लेटफॉर्म पर आकर फैंस से मिलते हैं, अब देखना ये होगा कि इस नए विस्तार के बाद किंग खान के इस 'दर्शन' स्पॉट में भी कोई बदलाव होता है या नहीं.